दैनिक
स्वर्णिम प्रदेश
PRN: MCN/329/2025-2027
http://www.swarnimpradesh.in
http://epaper. swarnimpradesh.in
Email- swarnimpradesh@yahoo.com
संरक्षकः मां वैष्णों देवी
* वर्षः 08 * अंक : 83 * मुंबई, शनिवार, 6 सितंबर 2025 * पेजः 6 * मूल्यः 2 रुपये * संपादकः सुनील कुमार तिवारी

विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें
अगर आप अपने विशेष अवसरों को खास बनाना चाहते हैं या महत्वपूर्ण सूचनाओं को व्यापक जनता तक पहुँचाना चाहते हैं, तो दैनिक स्वर्णिम प्रदेश आपके लिए सही मंच है। चाहे जन्मदिन की बधाई हो, शादी की सालगिरह, गुमशुदगी की सूचना, कानूनी नोटिस या कोई अन्य व्यक्तिगत और व्यावसायिक विज्ञापन, हम आपके संदेश को सही तरीके से पहुंचाने में मदद करेंगे। आपके विज्ञापन से समाचार पत्र को आर्थिक सहायता प्राप्त होगी, जो इसे और बेहतर सेवाएं प्रदान करने में मदद करेगी।
संपर्कः ईमेलःswarnimpradesh@yahoo.com
या वाट्सऐप नं. 8898271111

भारत ने अमेरिकी सलाहकार पीटर नवारो के आरोपों को बताया भ्रामक
ऑस्ट्रेलिया में विरोध प्रदर्शनों पर भी दी प्रतिक्रिया

संवाददाता

नई दिल्ली। भारत ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी और व्यापार सलाहकार पीटर नवारो के हालिया बयानों को सख्ती से खारिज कर दिया है। विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि नवारो के बयान न केवल गलत बल्कि भ्रामक हैं और इनसे भारत-अमेरिका संबंध प्रभावित नहीं होंगे। जायसवाल ने कहा कि भारत और अमेरिका व्यापक व वैश्विक रणनीतिक साझेदारी साझा करते हैं, जो साझा हितों, लोकतांत्रिक मूल्यों और दोनों देशों के लोगों के मजबूत रिश्तों पर आधारित है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि यह रिश्ता कई उतार-चढ़ावों और चुनौतियों से गुजरा है, लेकिन हमेशा मजबूत बना रहा है। भारत चाहता है कि यह साझेदारी आपसी सम्मान और साझा हितों के आधार पर और आगे बढ़े। नवारो ने हाल ही में भारत पर आरोप लगाया था कि वह रूसी तेल खरीदकर यूरोप, अफ्रीका और एशिया के बाजारों में बेचकर मुनाफा कमा रहा है और यूक्रेन संघर्ष को बढ़ावा दे रहा है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए जायसवाल ने कहा कि भारत व्यापारिक मामलों में अमेरिका के साथ निरंतर बातचीत कर रहा है और एच-1बी वीजा जैसे मुद्दों पर गतिशीलता साझेदारी इस रिश्ते का एक अहम स्तंभ है। उन्होंने ब्लूमबर्ग की उस रिपोर्ट को भी खारिज किया जिसमें दावा किया गया था कि चीनी राष्ट्रपति शी

जिनपिंग ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को एक गुप्त पत्र भेजा है। जायसवाल ने इसे गलत और भ्रामक बताया। क्वाड (भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया) को साझा हितों पर चर्चा का एक महत्वपूर्ण मंच बताते हुए उन्होंने कहा कि अगला शिखर सम्मेलन सदस्य देशों के बीच राजनयिक परामर्श के बाद तय होगा। यूक्रेन संघर्ष पर भारत ने हालिया शांति प्रयासों का स्वागत किया और दोहराया कि भारत का रुख स्पष्ट है। संघर्ष का जल्द अंत हो और स्थायी शांति स्थापित की जाए।

ऑस्ट्रेलिया में विरोध प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया

जायसवाल ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया में हुए एंटी-इमिग्रेंट प्रदर्शनों का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि ३१ अगस्त को कई शहरों में हुए इन प्रदर्शनों के दौरान भारत के हाई कमीशन और वाणिज्य दूतावास लगातार ऑस्ट्रेलियाई सरकार और भारतीय (**शेष पेज २ पर**)

बॉम्बे उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में न्यायमूर्ति श्री चंद्रशेखर ने ली शपथ

संवाददाता

मुंबई। बॉम्बे उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री चंद्रशेखर ने शुक्रवार को मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। राज्यपाल सी. पी.राधाकृष्णन ने शुक्रवार को राजभवन मुंबई के दरबार हॉल में आयोजित संक्षिप्त समारोह में उन्हें पद की शपथ दिलाई। शपथ पत्र पर हस्ताक्षर और प्रतिहस्ताक्षर के बाद राज्यपाल ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर बधाई दी। मुख्यमंत्री सहित महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर, कौशल विकास मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा, प्रोटोकॉल मंत्री जयकुमार रावल, झारखंड, राजस्थान, दिल्ली, इलाहाबाद और बॉम्बे उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, सेवानिवृत्त न्यायाधीश और वरिष्ठ सरकारी अधिकारी इस अवसर पर उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान और राज्य गीत के गायन से हुई और समापन पुलिस बैंड द्वारा राष्ट्रगान की धुन के साथ हुआ। इससे पूर्व मुख्य सचिव राजेश कुमार ने भारत सरकार द्वारा जारी नियुक्ति अधिसूचना पढ़ी।

न्यायमूर्ति श्री चंद्रशेखर का जीवन परिचय

न्यायमूर्ति चंद्रशेखर का जन्म २५ मई, १९६५ को हुआ। उन्होंने १९९३ में दिल्ली विश्वविद्यालय के कैंपस लॉ सेंटर से एलएलबी की डिग्री प्राप्त की और उसी वर्ष ९ दिसंबर को दिल्ली राज्य बार काउंसिल में अधिवक्ता के रूप में पंजीकृत हुए। उन्होंने दिल्ली में फौजदारी और (**शेष पेज २ पर**)

गंदगी फैलाने वाले बिल्डर अहलूवालिया कंस्ट्रक्शन को दस हजार का दंड
दीपक जाधव की मेहरबानी से फुटपाथ और रोड पर अवैध कब्जा कायम

संवाददाता

मुंबई। बीएमसी एच/पूर्व विभाग के बांद्रा पूर्व खेरवाड़ी स्थित श्रीराम हाइट इमारत के विकासकर्ता पर गंदगी फैलाने और फुटपाथ व रोड पर अवैध कब्जा करने की खबर दैनिक स्वर्णिम प्रदेश ने फोटो सहित २७ अगस्त के अंक में प्रकाशित की थी। इस पर कार्रवाई करते हुए घनकचरा विभाग ने विकासक अहलूवालिया कंस्ट्रक्शन पर परिसर में गंदगी फैलाने के लिए ४ सितंबर २०२५ को १० हजार रुपए का दंड लगाया। लेकिन बीएमसी एच/पूर्व के परिरक्षण विभाग के सहायक अभियंता दीपक जाधव द्वारा फुटपाथ और रोड पर किए गए अतिक्रमण को संरक्षण दिया जा रहा है। अब तक वे बिल्डर से फुटपाथ और रोड को अतिक्रमण मुक्त कराने की हिम्मत नहीं जुटा पाए हैं, जिससे उनकी कामचोरी और मिलीभगत साफ उजागर होती है। सबसे हैरानी की बात यह है कि इसकी जानकारी सहायक आयुक्त मृदुला अंडे को भी है, जो दीपक जाधव की वरिष्ठ अधिकारी हैं। बता दें कि हालाकि इस इमारत के निर्माण की अनुमति म्हाड़ा के मुंबई मण्डल द्वारा दिया गया। लेकिन अस्वच्छता, फुटपाथ और रोड पर किए गए अतिक्रमण को हटाने कि ज़िम्मेदारी बीएमसी की होती है। इसके बावजूद कार्रवाई न होना साफ तौर पर यह दर्शाता है कि अहलूवालिया कंस्ट्रक्शन के अतिक्रमण को संरक्षण देना बीएमसी प्रशासन की जनता के साथ सीधी गद्दारी है।

महाराष्ट्र में भारी बारिश से 14.44 लाख हेक्टेयर फसलें बर्बाद, पंचनामा अंतिम चरण में, किसानों को जल्द मिलेगी सहायता

संवाददाता

मुंबई। राज्य में पिछले कुछ दिनों से सक्रिय हुए मानसून ने कई जिलों में भारी तबाही मचाई है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निर्देशानुसार प्रभावित क्षेत्रों में पंचनामा कार्य अपने अंतिम चरण में है। कृषि मंत्री दत्तात्रेय भारणे ने शुक्रवार को कहा कि किसानों को तत्काल सहायता प्रदान की जाएगी और कोई भी किसान मदद से वंचित नहीं रहेगा। राज्य के २९ जिलों के १९१ तालुकों में हुई भारी बारिश से ६५४ से अधिक राजस्व मंडलों में खरीफ फसलें क्षतिग्रस्त हुई हैं। कुल १४,४४,७४९ हेक्टेयर (३६,११,८७२.५ एकड़) क्षेत्र प्रभावित हुआ है। इनमें से १२ जिलों में १० हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में नुकसान दर्ज किया गया है। सबसे अधिक नुकसान १५ से २० अगस्त के बीच हुई बारिश से हुआ।

सबसे अधिक प्रभावित जिले हैं: नांदेड़- ६,२०,५६६ हेक्टेयर, वाशिम- १,६४,५५७ हेक्टेयर, यवतमाल- १,६४,९३२ हेक्टेयर, धाराशिव- १,५०,७५३ हेक्टेयर, बुलढाणा- ८९,७८२ हेक्टेयर, अकोला- ४३,८२८ हेक्टेयर, सोलापुर- ४७,२६६ हेक्टेयर, हिंगोली- ४०,०००हेक्टेयर। प्रभावित क्षेत्रों में मुख्य

रूप से सोयाबीन, मक्का, कपास, उड़द, अरहर और मूंग की फसलें तबाह हुई हैं। इसके अलावा, कुछ स्थानों पर सब्जियां, फल, बाजरा, गन्ना, प्याज, ज्वार और हल्दी की फसलें भी प्रभावित हुई हैं। प्रभावित जिलों में नांदेड़, वाशिम, यवतमाल, बुलढाणा, अकोला, सोलापुर, हिंगोली, धाराशिव, परभणी, अमरावती, जलगाँव, वर्धा, सांगली, अहिल्यानगर, छत्रपति संभाजीनगर, जालना, बीड, लातूर, धुले, रत्नागिरी, चंद्रपुर, सतारा, नासिक, कोल्हापुर, सिंधुदुर्ग, गढ़चिरौली, रायगढ़ और नागपुर शामिल हैं। सरकार ने आश्वासन दिया है कि प्रभावित किसानों को समय पर मुआवजा दिया जाएगा और राहत कार्य तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा।

कांदिवली में 2.5 करोड़ रुपए की बैंक ऋण हेराफेरी: एस्प्लेनेड एजुकेशन सोसाइटी के दो ट्रस्टी गिरफ्तार

संवाददाता

मुंबई। कांदिवली पुलिस ने जाली दस्तावेज़ों का उपयोग करके बैंक ऋण प्राप्त करने और लगभग २.५ करोड़ रुपए की हेराफेरी करने के आरोप में एस्प्लेनेड एजुकेशन सोसाइटी के दो ट्रस्टी, जयेश मजीठिया और कीर्ति वैरी, को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, दोनों ने पट्टे पर दी गई स्कूल की जमीन के फर्जी संपत्ति दस्तावेज़ जमा कर और ट्रस्ट के अध्यक्ष व सचिव के जाली हस्ताक्षर करके एक निजी बैंक से ४.५ करोड़ रुपए का ऋण लिया। इसमें से लगभग २.५ करोड़ रुपए कथित तौर पर निजी इस्तेमाल के लिए निकाल लिए गए। यह मामला तब उजागर हुआ जब कांदिवली में अंजुमन-ए-नजमी दाऊदी ट्रस्ट के सचिव और व्यवसायी मुस्तफा गोम को अप्रैल २०२५ में बैंक से ऋण चुकौती का नोटिस मिला। आगे की जाँच में सामने आया कि लगभग ३० सालपहले एस्प्लेनेड एजुकेशन सोसाइटी को पट्टे पर दिए गए स्कूल परिसर को अवैध रूप से गिरवी रखकर यह ऋण लिया गया था। गोम की शिकायत पर कांदिवली पुलिस ने मजीठिया और वैरी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। दोनों ने डिंडोशी की विशेष सत्र अदालत में अग्रिम जमानत की अर्जी दी थी, जो खारिज कर दी गई। इसके बाद उन्हें १ सितंबर को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया, जहाँ से उन्हें पाँच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस अब जाँच कर रही है कि फर्जी दस्तावेज़ कहाँ और कब तैयार किए गए, इस धोखाधड़ी में अन्य कौन लोग शामिल थे और गबन किए गए धन का उपयोग या निवेश कैसे किया गया।

शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा पर 60 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का आरोप, ईओडब्ल्यू ने जारी किया लुक आउट नोटिस

संवाददाता

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा की मुश्किलें बढ़ गई हैं। मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने ६०.४ करोड़ रुपए की धोखाधड़ी मामले में दोनों के खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी किया है। यह कदम जुहू निवासी व्यवसायी दीपक कोठारी की शिकायत के बाद उठाया गया, जिन्होंने आरोप लगाया था कि दंपति ने बिजनेस बढ़ाने के नाम पर उनसे बड़ी रकम निवेश के रूप में ली और उसका दुरुपयोग किया। शिकायत के अनुसार, २०१५ में कोठारी को राजेश आर्य नामक व्यक्ति ने शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा से मिलवाया था। उस समय दोनों बेस्ट डील टीवी प्राइवेट लिमिटेड के प्रमुख शेयरधारक थे। उन्होंने ७५ करोड़ रुपये का लोन मांगा, जो बाद में निवेश के रूप में लिया गया। कोठारी ने अप्रैल २०१५ में ३१ करोड़ और सितंबर २०१५ में २८ करोड़ रुपये कंपनी में लगाए। उन्हें मासिक रिटर्न और १२ प्रतिशत ब्याज के साथ मूलधन लौटाने का वादा किया गया था। हालांकि, २०१६ में शिल्पा ने कंपनी के निदेशक पद से इस्तीफा दे दिया जबकि राज कुंद्रा ने व्यक्तिगत गारंटी दी थी। २०१७ में कंपनी के खिलाफ समझौते की चूक के चलते दिवालियापन की प्रक्रिया शुरू हो गई। कोठारी का आरोप है कि उनका निवेश व्यावसायिक गतिविधियों में न लगाकर निजी खर्चों में इस्तेमाल किया गया। पुलिस ने मामले में धोखाधड़ी और (**शेष पेज २ पर**)

अजित पवार का वीडियो विवादः महिला आईपीएस को डांटने पर दी सफाई, बोले- हस्तक्षेप नहीं, तनाव कम करने की कोशिश

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार एक वीडियो को लेकर विवादों में हैं, जिसमें उन्हें एक महिला आईपीएस अधिकारी को फोन पर डांटते हुए सुना गया। आरोप है कि उन्होंने सोलापुर जिले में अवैध 'मुरुम' मिट्टी खनन के खिलाफ चल रही कार्रवाई रोकने के लिए कहा। शुक्रवार को इस मामले पर सफाई देते हुए पवार ने कहा कि उनका उद्देश्य कानून प्रवर्तन में हस्तक्षेप करना नहीं था, बल्कि जमीनी स्तर पर स्थिति को शांत बनाए रखना था। पवार ने कहा- मैं स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि मेरा मकसद कानून प्रवर्तन में हस्तक्षेप करना नहीं था, बल्कि यह सुनिश्चित करना था कि हालात बिगड़ें नहीं और विवाद आगे न बढ़े।

उन्होंने आगे कहा कि वह कानून के शासन को सर्वोच्च महत्व देते हैं और पुलिस बल, विशेषकर महिला अधिकारियों, के प्रति उनका गहरा सम्मान है। उन्होंने आश्वासन दिया कि मिट्टी खनन सहित हर अवैध गतिविधि के खिलाफ कानून के मुताबिक सख्त कार्रवाई की जाएगी।

राजनीतिक प्रतिक्रियाएँ और पुलिस की कार्रवाई

इस विवाद के बाद पुलिस ने उन कई लोगों पर मामला दर्ज किया है, जिन्होंने आईपीएस अफसर अंजना कृष्णा और अन्य अधिकारियों के काम में रुकावट डाली थी। गुरुवार को सामने आए वीडियो में पवार की बातचीत

को लेकर विपक्ष ने उन पर कानून व्यवस्था में हस्तक्षेप का आरोप लगाया।

भतीजे रोहित पवार का समर्थन

एनसीपी (एसपी) के विधायक और अजित पवार के भतीजे रोहित पवार ने चाचा का बचाव करते हुए दावा किया कि यह उनके गठबंधन सहयोगियों द्वारा रचा गया 'जाल' है। रोहित ने कहा कि बातचीत को जानबूझकर अलग मोड़ देने की कोशिश की गई। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, अजितदादा को यह देखना होगा कि उनके दोस्त कैसे जाल बिछा रहे हैं। अजित पवार की पार्टी एनसीपी (अजित पवार गुट) वर्तमान में भाजपा और शिवसेना के साथ मिलकर महायुति सरकार का हिस्सा है।

नक्सलियों के खिलाफ अंतिम प्रहार की तैयारी, मार्च 2026 तक भारत को नक्सल मुक्त बनाने का लक्ष्य

संवाददाता

नई दिल्ली। गृह मंत्री अमित शाह के निर्देश पर गृह सचिव गोविंद मोहन और इंटेलिजेंस ब्यूरो **(IB)** प्रमुख तपन डेका छत्तीसगढ़ पहुंचे, जहां उन्होंने नक्सलियों के खिलाफ अंतिम चरण के व्यापक अभियान की रूपरेखा तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। केंद्र सरकार ने मार्च २०२६ तक भारत को नक्सल मुक्त बनाने का संकल्प लिया है। गुरुवार शाम पहुंचे दोनों अधिकारियों को माओवादी खतरे की स्थिति की समीक्षा करने और अंतिम हमले के लिए सुरक्षा एजेंसियों को सूचित करते हुए एक कार्ययोजना तैयार करने को कहा गया है। आईबी प्रमुख तपन डेका को अभियान के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट और अब तक की उपलब्धियां

हाल ही में छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर कर्रेगुट्टालु (**शेष पेज २ पर**)

आदर्श राज्य शिक्षक पुरस्कार अब होगा 'डॉ. जे.पी.नाईक आदर्श राज्य शिक्षक पुरस्कार'

संवाददाता

मुंबई। उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, इंजीनियरिंग और चित्रकला के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले शिक्षकों को प्रदान किया जाने वाला आदर्श राज्य शिक्षक पुरस्कार अब से 'डॉ. जे.पी. नाईक आदर्श राज्य शिक्षक पुरस्कार' के नाम से दिया जाएगा। इस निर्णय की घोषणा उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने की। डॉ.जे.पी. नाईक के शैक्षणिक योगदान को केंद्र सरकार, देश और यूनेस्को ने भी मान्यता दी है। उनके योगदान के प्रति कृतज्ञता स्वरूप यह पुरस्कार उनके नाम पर रखा गया है। साथ ही, पुरस्कार चयन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने हेतु संशोधित सरकारी निर्णय जारी किया गया है। इस निर्णय का उद्देश्य उन शिक्षकों का चयन करना है जिन्होंने सच्ची लगन से अध्ययन-अध्यापन कर शिक्षा के क्षेत्र में बहुमूल्य योगदान दिया है।

पुरस्कार चयन प्रक्रिया और समिति संरचना

पुरस्कार के लिए अंतिम केंद्रीय स्क्रीनिंग समिति में कुलपति अध्यक्ष होंगे। सदस्य के रूप में उच्च शिक्षा निदेशालय, तकनीकी शिक्षा, कला और दो विषय विशेषज्ञ शामिल होंगे, जबकि संयुक्त निदेशक (मुख्यालय) सदस्य सचिव होंगे। मुख्य समिति के अध्यक्ष उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री, उपाध्यक्ष राज्य मंत्री, सदस्य के रूप में अतिरिक्त मुख्य सचिव और राज्य के दो प्रतिष्ठित शिक्षा विशेषज्ञ होंगे। सदस्य सचिव उच्च शिक्षा निदेशक होंगे।

डॉ. जे. पी. नाईक का परिचयः ५ सितंबर १९०७ को (**शेष पेज २ पर**)

संपादकीय

कालाधन अब बना दिया गया गोरा?

लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी ने विदेशी बैंकों, खासकर स्विस बैंक में जमा कालाधन लाने का वादा कर सत्ता में आए। वादा किया था, देशवासियों के खाते में १५/१५ लाख डाले जाएंगे। देशवासी इंतजार करते रह गए, खाते में लाल पाई भी नहीं आई। बाद में केंद्रीय वित्त मंत्री ने स्विस और विदेशों में जमा कालेधन के संदर्भ में संसद में बयान करते हुए कहा था, वह काला धन नहीं है। प्रबुद्ध वर्ग का माथा उस कथन को सुनकर धमकाने लगा था। समझ में आ गया कि सरकार कोई न कोई पैंतरा खेलने का मन बना लिया है। मंशा पर मोदी और सरकार पर सवाल उठाना जरूरी है। अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में अफ्रीकी मूल जाति के प्रत्याशी बराक ओबामा ने भी अमेरिकी लोगों से वादा किया था, स्विस बैंक में जमा अमेरिकी लोगों के कालेधन को वापस लाने के लिए। अमरीकी जनता ने ओबामा पर विश्वास किया और उन्हें जीता दिया। अब वादा पूरा करने का जिम्मा बराक ओबामा का था। उन्होंने चंद समय में स्विस बैंक में जमा अमेरिकी कालाधन वापस ला कर दिखा दिया कि यदि सच्चे मन से देशवासियों के साथ वादा किया जाए तो वादे को पूरा किया जा सकता है, सच्ची और ईमानदार मंशा हो तो। इसके बाद देश के भीतर छुपे कालेधन को बाहर निकालने के नाम पर नोटबंदी की गई भारत में। हजार, पांच सौ के नोट बंद कर नए आने वाले आरबीआई गवर्नर के हस्ताक्षर युक्त दो हजार के नोट आरबीआई ने पहले ही छाप दिए गए थे। यानी सारा काम प्लानिंग के साथ किया गया। जनता को ठंड के दिनों में बैंकों के सामने लाइन में खड़ा कर दिया गया। सैकड़ों लोग भूखे पेट बैंक की लाइन में लगे। ठंड से सैकड़ों देशवासी मर लाइन में। आरबीआई के आंकड़े के अनुसार पुरानी करेंसी का लगभग ९५ प्रतिशत बैंकों में वापस आ गया।

जो थोड़ा बहुत नहीं आया, उन्हें जला या काटकर नदियों में बहा दिया गया। नतीजा, खोदा पहाड़ चुहिया भी नहीं निकली। नोटबंदी के कारण कैश में कारोबार करने वाली लाखों छोटी कंपनियां बंद हो गईं, जिससे चार करोड़ लोग बेरोजगार जरूर हो गए। नोटबंदी के बाद स्विस बैंक में तीन गुना काला धन जरूर बढ़ गया। जबकि स्विस सरकार ने घोषणा की थी कि उसने स्विस बैंकों में कालाधन जमा करने वाले भारतीयों की चार सूची भारत सरकार को भेज दी है। स्मरणीय है, भ्रष्टाचार के संदर्भ में पीएम मोदी ने बड़े अभिमान से कहा था, कोई भ्रष्टाचारी हमारी बगल में बैठकर मेरा ताप सहन नहीं कर सकता। वाहवाही खूब बटोरी मोदी ने। जीरो टॉलरेंस का दावा किया गया भ्रष्टाचार के खिलाफ। यहीं से सीबीआई और ईडी के गुलाम होने की बात पक्की होने लगी। असम के तत्कालीन मुख्यमंत्री हेमंता विष्व शरमा, जो बहुत बड़े घोटाले में फंसे थे, कांग्रेस की सरकार को बीजेपी सरकार में बदलकर मोदी के बेहद खास बन गए। येदुरप्पा भी वही चाल चलकर बीजेपी में शामिल हो गए। बीजेपी का कुनबा बढ़ाने लगे। अब विपक्ष के भ्रष्ट नेताओं के घोटाले घोषित किए जाने लगे। सीबीआई और ईडी के छापे डलवाए जाने लगे। जांच और जेल के डर से भ्रष्ट विरोधी नेताओं ने बीजेपी ज्वाइन कर ली। उनकी जांच रोक दी गई। वाशिंग मशीन में धोकर उन सभी को ईमानदारी का तमगा दे दिया जाने लगा। मोदी के भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई का पीक था महाराष्ट्र में शिवसेना और राकांपा की जनता द्वारा चुनी सरकार को अपदस्त करने के लिए विधायकों की खरीद-फरोख्त शुरू हुई।

सत्ता मद में शिवसेना का नाम, सिंबल भी छीन लिया गया। झूठे आरोप लगाकर शराब नीति बदलकर फायदा लेने के झूठे आरोप में दिल्ली विधानसभा में जनता द्वारा चुनी सरकार, जो अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में बनी थी, उसे भी महाराष्ट्र की तरह अपदस्त करने, आम आदमी पार्टी का अस्तित्व खत्म करने के लिए सीबीआई और ईडी का दुरुपयोग शुरू हुआ। अरविंद केजरीवाल, अग्रवाल सहित कई मंत्रियों के साथ राज्यसभा सांसद संजय सिंह को भी जेल भेजकर सरकार तोड़ने के षड्यंत्र के तहत सीबीआई और ईडी ने कोर्ट में जांच रिपोर्ट बारी-बारी सौंपी ताकि ट्रायल में ज्यादा दिनों तक जेल में रखा जा सके। जबकि सुप्रीम कोर्ट ने ईडी को खूब डांटते हुए कहा, आपने शराब घोटाले का एक भी सबूत पेश नहीं किया। केवलअनुमान और मुख्य आरोपी के बयान के आधार पर गिरफ्तारी उचित नहीं। यही खेल झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंता के साथ खेला गया। बिना किसी सबूत के कारण जेल में बंद हेमंत मुख्यमंत्री को जेल से बाहर करना पड़ा। उन पर जमीन घोटाले के कथित आरोप लगाए गए थे, जबकि सच तो यह था कि झारखंड के मुख्यमंत्री ने बीजेपी में शामिल होने से साफ मना कर देने पर उन्हें जेल भेजा गया। चंद दिनों बाद छोड़ दिया गया। भ्रष्टाचार के नाम पर सीबीआई और ईडी के द्वारा दस वर्षों में बहुत अधिक संख्या में बेगुनाह लोगों को जेल भेजा गया। कोर्ट ने उनको निर्दोष साबित हुए। । अब विपक्ष को खत्म करने के लिए तीन नए कानून लेकर आई है बीजेपी सरकार, जिससे पहले विपक्षी मुख्यमंत्री और मंत्रियों को झूठे भ्रष्टाचार के केस में ईडी द्वारा जेल भेजो। जमानत का विरोध करो। तीस दिनों के पहले जांच रिपोर्ट मत सौंपो, जिससे ट्रायल ही न हो सके। तीस दिनों बाद सरकार पर कब्जा कर लो। मोदी सरकार की मंशा पर सवाल का दूसरा सबसे बड़ा कारण है कि कानून बनाकर सारे कालेधन को सफेद कर दिया गया है। खुद मोदी ने कहा, धन काला हो, सफेद हो। रुपया हो, डॉलर हो, सब सफेद हो गया। जिसका अर्थ है, बीजेपी के लोगों, उसके व्यापारिक मित्रों, सहयोगियों के ही स्विस बैंक में कालाधन जमा किए गए हैं। चाहे वे भूतपूर्व हों या अभूतपूर्व, अब खुलकर सरकार को कालाधन जमा करने की छूट मिल जाएगी। यहां एक बात खटकने वाली है, तो क्या बैंक से हजारों रुपए कर्ज लेकर कमीशन देकर सरकार द्वारा संरक्षित भगोड़े या भगाए गए लोगों के खिलाफ कोई कार्यवाही होगी या नहीं? शायद नहीं ही उत्तर होगा क्योंकि सरकार ने रेड कॉर्नर नोटिस के बावजूद उसे निरस्त कराकर अपनी बुरी मंशा जाहिर कर दी है।

पेज 1 का शेष...

भारत ने अमेरिकी सलाहकार...

समुदाय के संपर्क में रहे। भारत ने प्रवासी भारतीयों की चिंताओं को वहां की सरकार तक पहुंचाया। ऑस्ट्रेलियाई सरकार और विपक्ष के कई वरिष्ठ नेताओं ने देश की बहुसांस्कृतिक पहचान का समर्थन करते हुए भारतीय समुदाय के योगदान को सराहा। उनका कहना है कि भारतीय मूल के लोगों ने ऑस्ट्रेलिया की प्रगति और विकास में अहम भूमिका निभाई है।

बॉम्बे उच्च न्यायालय के...

दीवानी मामलों में वकालत शुरू की और लगभग १९ वर्षों में करीब ३,५०० मामलों का संचालन किया, जिनमें से अधिकांश भारत के सर्वोच्च न्यायालय में थे। लगभग १४० मामलों में वे सुप्रीम कोर्ट के फैसलों में अधिवक्ता के रूप में दर्ज हैं।वे अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद और झारखंड राज्य के स्थायी अधिवक्ता रहे तथा बिहार राज्य आवास बोर्ड, बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, झारखंड राज्य विद्युत बोर्ड, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद सहित कई निगमों एवं संस्थानों का प्रतिनिधित्व किया। उन्हें १७ जनवरी २०१३ को झारखंड उच्च न्यायालय, रांची के अतिरिक्त न्यायाधीश और २७ जून २०१४ को स्थायी न्यायाधीश नियुक्त किया गया। उन्होंने २९ दिसंबर २०२३ से ४ जुलाई २०२४ तक झारखंड उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्य किया। बाद में वे बॉम्बे उच्च न्यायालय में स्थानांतरित हुए और न्यायमूर्ति आलोक अराध्ये के सर्वोच्च न्यायालय में पदोन्नत होने के बाद कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश बने।

शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा...

जालसाजी की धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया है। जांच के दौरान पुलिस ने दोनों के ट्रेवल लॉग खंगाले और पैसों के लेनदेन की जांच की। ऑडिटर की रिपोर्ट में कुछ संदिग्ध लेनदेन पाए गए, जिसके बाद पूछताछ के लिए उन्हें तलब किया गया। गणेश उत्सव और अन्य कारणों से पहले पूछताछ नहीं हो सकी थी।

नक्सलियों के खिलाफ अंतिम...

पहाड़ी क्षेत्र में २१ दिनों तक चले 'ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट' में सुरक्षा बलों ने ३१ नक्सलियों को मार गिराया था। पिछले दो महीनों में १०४ नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है, ६२ गिरफ्तार हुए और छह मारे गए। भारी मात्रा में हथियार, आईईडी, गोला-बारूद और नकदी बरामद की गई। सूत्रों के अनुसार, व्यापक अभियान के लिए पहले ही हरी झंडी मिल चुकी है। केंद्र सरकार ने सभी सुरक्षा एजेंसियों को मिलकर काम करने को कहा है, ताकि नक्सलियों के प्रभाव वाले ७ राज्यों के १८ जिलों को मुक्त कराया जा सके। नक्सल प्रभावित इलाकों में विकास कार्यों को तेज़ करने के लिए सड़क संपर्क परियोजनाएं, मोबाइल कनेक्टिविटी सुधार और नागरिक कार्रवाई कार्यक्रमों पर भी जोर दिया जा रहा है। २०१६ में स्वीकृत सड़क परियोजना के तहत १२,२२८ किलोमीटर सड़कों और ७०५ पुलों का निर्माण स्वीकृत हुआ, जिसमें से ९,५०६ किलोमीटर सड़कें और ४७९ पुल पूरे हो चुके हैं। १०,५११ मोबाइल टावरों की योजना में अब तक ७,७७७ स्थापित किए गए हैं। पूर्व बीएसएफ डीजी प्रकाश सिंह ने चेतावनी दी कि नक्सल उन्मूलन के नाम पर आदिवासियों की जीवनशैली और जंगलों में अनावश्यक हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार को आदिवासियों में अलगाव की भावना समाप्त करने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे और विकास के नाम पर अवांछित दखल से बचना होगा।

आदर्श राज्य शिक्षक पुरस्कार...

कोल्हापुर जिले के बहिरेवाड़ी (तालुका अजरा) में जन्मे डॉ. जे. पी.नाईक भारतीय शिक्षा जगत के एक प्रमुख स्तंभ माने जाते हैं। उनका कार्यक्षेत्र महाराष्ट्र से आगे बढ़कर देश और विदेश तक विस्तृत रहा है। यूनेस्को ने भी उनके शैक्षिक योगदान को मान्यता दी है। उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने कहा कि डॉ. जे.पी.नाईक के नाम पर पुरस्कार देने का निर्णय शिक्षकों के सम्मान को और अधिक सार्थक एवं प्रेरणादायी बनाएगा।

एल.आई.सी

भारतीय जीवन बीमा से संबंधित किसी भी जानकारी या समस्या समाधान हेतु संपर्क करें।
-भारत सिंह
मो.9967255741

महत्वपूर्ण सूचना

विज्ञापन प्रति के स्वीकृति पूर्व एहतियातन बरती जाने के बावजूद, उसमें अंतर्भूत बाते जांचना संभव नहीं है। ऐसी अंतर्भूत बातों के लिए दैनिक **स्वर्णिम प्रदेश** के अंतर्गत समाचार पत्र या प्रकाशनों में आनेवाली कंपनियां, संस्थाए या व्यक्तिगत विज्ञापनों के साथ हुए किसी भी प्रकार के व्यवहार के लिए समाचार पत्र जिम्मेदार नहीं है।

भारतीय राजनीति में मर्यादहीन आचरण और भाषाई अभद्रता चरम पर

संदीप सृजन

भारतीय राजनीति का इतिहास विचारों में मतभिन्नता, वैचारिक बहस और लोकतांत्रिक मूल्यों से समृद्ध रहा है। लेकिन हाल के वर्षों में राजनीतिक संवाद में भाषाई अभद्रता एक गंभीर समस्या बनकर उभरी है। नेताओं के बीच नीतियों और विकास पर चर्चा की जगह व्यक्तिगत हमले, अपशब्द, और जातिगत-लैंगिक अपमान बढ़ते जा रहे हैं। यह न केवल राजनीतिक संस्कृति को दूषित कर रहा है, बल्कि सामाजिक एकता को भी कमजोर कर रहा है। हाल ही में बिहार में वोटर अधिकार यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिवंगत मां के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी ने इस मुद्दे को और गंभीर बना दिया है। भाषाई अभद्रता से तात्पर्य उन भाषणों और टिप्पणियों से है जो अपशब्दों, व्यक्तिगत हमलों, जातिगत-धार्मिक अपमानों, और लैंगिक टिप्पणियों से भरे होते हैं। यह भारतीय राजनीति में कोई नई बात नहीं है, लेकिन सोशल मीडिया और चौबीस घंटे न्यूज चैनलों के युग में यह चरम पर पहुंच गई है। पहले जहां नेताओं के बीच नीतिगत बहसें हुआ करती थीं, वहीं अब व्यक्तिगत हमले और अपशब्द सामान्य हो गए हैं। बिहार के दरभंगा में इंडिया गठबंधन की वोटर अधिकार यात्रा के दौरान मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी दिवंगत मां हीराबेन मोदी, के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी की गई। एक वायरल वीडियो में अज्ञात व्यक्तियों द्वारा हिंदी में अपशब्दों का इस्तेमाल करते सुना गया। इस मंच पर राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, और तेजस्वी यादव के पोस्टर थे, हालांकि ये नेता उस समय मंच पर मौजूद नहीं थे। इस घटना ने भारतीय जनता पार्टी को आक्रामक रुख अपनाने का मौका दिया। बीजेपी ने इसे लोकतंत्र पर धब्बा और महिला विरोधी मानसिकता का उदाहरण बताते हुए कड़ी निंदा की।

बीजेपी ने पटना के कोतवाली पुलिस स्टेशन में एक प्राथमिकी दर्ज की और राहुल गांधी से माफी की मांग की। बीजेपी प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा, राहुल गांधी, आप जिस तरह की भाषा और अपशब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं या मंच से करवा रहे हैं, वह असहनीय है। आपको इसके लिए देश से माफी मांगनी चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी ने भी बिहार राज्य जीविका निधि साख सहकारी संघ के उद्घाटन के दौरान इस घटना पर भावुक प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, मां हमारा संसार है, मां हमारा स्वाभिमान है। मेरी मां का राजनीति से कोई लेना-देना नहीं था, फिर उन्हें क्यों गाली दी गई? यह नकेवल मेरी मां का अपमान है, बल्कि देश की हर मां, बहन और बेटी का अपमान है। उन्होंने यह भी कहा कि वह इस अपमान को माफ कर सकते हैं, लेकिन बिहार की जनता ऐसा नहीं करेगी। कांग्रेस ने इस टिप्पणी से खुद को अलग कर लिया और कहा कि यह एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा की गई थी, जिसका पार्टी से कोई संबंध नहीं है। स्थानीय युवा कांग्रेस नेता मोहम्मद नौशाद ने माफी मांगी और कहा कि ऐसी घटना नहीं होनी चाहिए थी। हालांकि, बीजेपी ने इसे विपक्ष की संस्कृति विरोधी और महिला विरोधी मानसिकता का हिस्सा बताया। यह घटना अकेली नहीं है। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही भाषाई अभद्रता के दोषी रहे हैं। आजकल सोशल मीडिया ने नेताओं को वायरल होने की होड़ में अपशब्दों का सहारा लेने के लिए प्रेरित किया है। ट्वीट्स और वायरल वीडियो तुरंत ध्यान खींचते हैं, जिससे नेताओं का ध्यान नीतिगत मुद्दों से हटकर व्यक्तिगत हमलों पर चला जाता है। सत्ता और विपक्ष के बीच गहरा ध्रुवीकरण है। विपक्ष को घुसपैठिए या देशद्रोही और सत्ता को तानाशाह जैसे शब्दों से नवाजा जाता है, जो वैमनस्य को बढ़ाता है। न्यूज चैनल और डिबेट शो भाषाई अभद्रता को बढ़ावा देते हैं। भाषाई अभद्रता के प्रभाव गहरे और दीर्घकालिक हैं।

अपशब्द और व्यक्तिगत हमले समाज में जातिगत, धार्मिक और लैंगिक तनाव को बढ़ाते हैं। बिहार की घटना में, मां के खिलाफ टिप्पणी को हर मां का अपमान बताकर बीजेपी ने इसे सामाजिक मुद्दा बना दिया। राजनीतिक संवाद का स्तर गिरने से जनता का विश्वास लोकतांत्रिक संस्थानों पर कम होता है। लोग नेताओं को आदर्श के रूप में देखना बंद कर देते हैं। अधिकांश अपशब्द लैंगिक या जातिगत होते हैं, जिससे महिलाएं और अल्पसंख्यक समुदाय विशेष रूप से प्रभावित होते हैं। अपशब्दों और अपमानजनक टिप्पणियों के लिए कड़े कानून बनाए जाने चाहिए। बिहार में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया, जो एक सकारात्मक कदम है।

न्यूज चैनलों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को ऐसी सामग्री को बढ़ावा देने से रोकना चाहिए। एक स्वतंत्र निगरानी समिति बनाई जा सकती है। नेताओं को अपनी भाषा और व्यवहार पर नियंत्रण रखना चाहिए। जैसा कि पत्रकार रजत शर्मा ने अपने ट्वीट में कहा, लफ्जों का इस्तेमाल शालीनता से अपनी बात कहने के लिए करना चाहिए, न कि गाली देने के लिए। चुनाव आयोग को ऐसी घटनाओं पर तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए, जैसे कि प्रचार पर प्रतिबंध या उम्मीदवारी रद्द करना। जनता को शिक्षित करने की जरूरत है कि वे ऐसे नेताओं का समर्थन न करें जो अपशब्दों का सहारा लेते हैं। बिहार में प्रधानमंत्री की मां के खिलाफ टिप्पणी और अन्य हाल की घटनाएं भारतीय राजनीति में भाषाई अभद्रता की गंभीरता को दर्शाती हैं। यह केवल एक राजनीतिक मुद्दा नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक संकट है। अगर इसे रोका नहीं गया, तो यह लोकतंत्र की नींव को कमजोर कर सकता है। नेताओं, मीडिया और जनता को मिलकर इस प्रवृत्ति को रोकना होगा, ताकि राजनीति फिर से सेवा और विचारों का मंच बन सके। बिहार की जनता से प्रधानमंत्री की अपील, इस अपमान को मैं माफ कर सकता हूं, लेकिन बिहार की धरती नहीं करेगी, इस बात का संकेत है कि यह मुद्दा अब केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों से जुड़ गया है।

मेष: आज आपका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ रहेगा और आप नए कामों में पहल कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में सहयोगियों का साथ मिलेगा, जिससे लंबित काम पूरे होंगे। व्यापारियों के लिए लाभ के अवसर मिल सकते हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। पारिवारिक माहौल सौहार्दपूर्ण रहेगा।

वृषभ: आज का दिन सावधानी से बीताने की सलाह है। कार्यक्षेत्र में किसी पुराने प्रोजेक्ट से संबंधित तनाव रह सकता है। निवेश करने से पहले सोच-समझकर कदम उठाएं। प्रेम जीवन में मतभेद की संभावना है। सेहत का ध्यान रखें।

मिथुन: आज आपके लिए नए अवसरों का दिन है। करियर में आगे बढ़ने के मौके मिल सकते हैं। व्यापार में नया अनुबंध मिल सकता है। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी और धन लाभ के योग हैं। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा।

कर्क: आज का दिन धैर्य रखने वाला रहेगा। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां आ सकती हैं, लेकिन धैर्य से सब संभाल लेंगे। व्यापार में भागीदारी से फायदा हो सकता है। खर्च बढ़ सकते हैं, इसलिए बजट का ध्यान रखें। परिवार में शांति बनाए रखें। प्रेम जीवन में ईमानदारी रखें। सेहत में थकान हो सकती है।

सिंह: आज भाग्य आपके साथ रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी। नए प्रोजेक्ट शुरू करने के लिए समय अच्छा है। व्यापार में अप्रत्याशित लाभ संभव है। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। प्रेम संबंध और गहरे होंगे। सेहत उत्तम रहेगी।

कन्या: आज आपको मेहनत के अनुरूप परिणाम मिलेगा। कार्यस्थल पर आपके कार्य की प्रशंसा होगी। व्यापारियों के लिए समय अच्छा है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार के साथ समय बिताने से मन प्रसन्न रहेगा। प्रेम जीवन में मधुरता रहेगी। सेहत सामान्य रहेगी।

तुला: आज का दिन थोड़ा व्यस्त रह सकता है। नौकरी में काम का बोझ बढ़ेगा लेकिन आप इसे सफलतापूर्वक संभाल लेंगे। व्यापार में धैर्य रखें। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी, खर्च बढ़ सकते हैं। पारिवारिक जीवन में सामंजस्य बनाए रखें। प्रेम जीवन में साथी की नाराजगी दूर करें। स्वास्थ्य को नजरअंदाज न करें।

वृश्चिक: आज का दिन आत्मविश्वास से भरा रहेगा। करियर में तरक्की के योग बन रहे हैं। व्यापारियों के लिए नए अवसर मिल सकते हैं। परिवार में सुख-शांति रहेगी। प्रेम संबंधों में अनुकूलता बनी रहेगी। सेहत अच्छी रहेगी।

धनु: आज आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। रुके हुए काम पूरे होंगे। नौकरी में तरक्की के संकेत हैं। व्यापार में लाभ के अच्छे अवसर मिल सकते हैं। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। परिवार के साथ सुखद समय बितेगा। प्रेम जीवन में सकारात्मक बदलाव आएंगे। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा।

मकर: आज का दिन सावधानी से बिताएं। कार्यक्षेत्र में विवाद से बचें। व्यापार में सोच-समझकर निवेश करें। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। परिवार में किसी बात को लेकर मतभेद हो सकता है। प्रेम जीवन में गलतफहमी से बचें।

कुंभ: आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहेगा। नौकरी में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। व्यापार में अच्छा मुनाफा हो सकता है। परिवार के साथ समय बिताने से मन प्रसन्न रहेगा। प्रेम संबंध मजबूत होंगे। सेहत अच्छी रहेगी।

मीन: आज आपको हर क्षेत्र में सफलता मिल सकती है। नौकरी में सम्मान बढ़ेगा। व्यापार में लाभ होगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। प्रेम जीवन में रोमांस बढ़ेगा। सेहत उत्तम रहेगी।

अब बिहार में नीति और सिद्धांतों की नहीं गाली की राजनीति

कुमार कृष्णन

कहा तो यह जाता है कि राजनीति में गाली-गलौच के लिए कोई स्थान नहीं होता क्योंकि इसके माध्यम से लोकतन्त्र में आम जनता अपने अधिकारों के लिए लड़ती है। यह लड़ाई पूर्णतः वैचारिक आधार पर होती है अतः जब भी राजनीति में भाषा का स्तर गाली पर उतर आता है तो उसे वैचारिक खोखलेपन का सबूत माना जाता है। वैचारिक खोखलापन राजनीति में तब भी माना जाता है जब नीतिगत सिद्धान्तों के स्थान पर व्यक्तिगत आलोचना होने लगती है। प्रख्यात समाजवादी चिन्तक डॉ. राम मनोहर लोहिया कहा करते थे कि राजनीति में जब वैचारिक स्तर पर खोखलापन शुरू होता है तो व्यक्तिगत आलोचना शुरू होती है और यह चरित्र हत्या तक पहुंच जाती है। मगर भारत में पिछले दो दशक से राजनीति का स्तर लगातार गिरता जा रहा है जिसके लिए सत्ता व विपक्ष दोनों ही जिम्मेदार हैं। यहां पर महात्मा बुद्ध का प्रसंग याद आता है एक बार एक आदमी गौतम बुद्ध के पास गया। उनको बहुत गालियां दीं। जब गाली देने वाला थककर शांत हो गया तो बुद्ध ने पूछा कि अगर तुम मुझे कुछ सामान दो और मैं उसे ना लूं तो क्या होगा। उस आदमी ने कहा कि वो सामान मेरे पास रह जाएगा।

बुद्ध ने कहा कि मैंने तुम्हारी गाली ग्रहण नहीं की। बुद्ध में करुणा थी। राजनीति को मानव विकास से जोड़ना है तो उसमें भी करुणा होनी चाहिए लेकिन सत्ता के बाजार में बिठा दी गई आज की राजनीति करुणा, संवेदना और संयम की परिभाषा नहीं समझती। आज गाली पर राजनीति हो रही है। बिहार सत्तारूढ़ दल इसका फायदा चुनाव में उठाना चाह रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने बिहार बंद के दौरान राजधानी पटना समेत प्रदेशभर के अलग-अलग हिस्सों में प्रदर्शन किए गए। इस दौरान, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिग्गज नेता भी सड़कों पर उतरे। पटना में भाजपा और जदयू कार्यकर्ताओं ने शहर भर के प्रमुख चौराहों पर विरोध प्रदर्शन किया। इसमें भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद और पार्टी के दिग्गज नेता संजय मयूख ने हिस्सा लिया। प्रधानमंत्री के खिलाफ विपक्ष की टिप्पणी की निंदा करते हुए रविशंकर प्रसाद ने कहा, इतनी बेशर्मी क्यों है? क्या आप प्रधानमंत्री के खिलाफ टिप्पणी करते हैं और आपके मुंह से एक भी शब्द नहीं निकलता है? रविशंकर प्रसाद ने कहा कि अगर हमारा कार्यकर्ता होता तो हम कार्रवाई करते हुए माफी मांगते। रविशंकर प्रसाद ने तेजस्वी यादव की टिप्पणी पर भी जवाब दिया, जिसमें राजद नेता ने कहा कि उनकी मां (राबड़ी देवी) के लिए भी अपशब्दों का इस्तेमाल हुआ था। भाजपा सांसद ने कहा, उनकी मां पूर्व मुख्यमंत्री हैं।

वो पॉलिटिकल बात है। क्या हम भी गिनाएं कि राहुल गांधी और विपक्ष के लोगों ने १०० से अधिक बार प्रधानमंत्री के लिए आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया? पटना के आयकर गोलंबर के पास हाथों में झंडा लेकर भाजपा महिला मोर्चा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता सड़क पर उतर आईं और लोगों से आज के बंद का समर्थन करने की बात कही। इन महिला कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राजद नेता तेजस्वी यादव के विरोध में जमकर नारे लगाए। बड़ी संख्या में बैनर और पोस्टर लेकर पहुंची प्रदर्शनकारी महिला कार्यकर्ता बीच सड़क पर ही बैठ गईं। कई भाजपा कार्यकर्ता भी इनके समर्थन में सड़कों पर उतर गए हैं। भाजपा के कार्यकर्ताओं ने भी बीच सड़क पर हाथों में पोस्टर लेकर खूब नारे लगाए। बंद को लेकर सुरक्षा के भी पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। कई निजी स्कूलों ने बंद के कारण पहले ही छुट्टी की घोषणा कर रखी है। इसके अलावा कई जिलों में भी एनडीए की महिला कार्यकर्ता बंद को सफल बनाने के लिए सड़कों पर उतर गई हैं। दरभंगा में भी एनडीए संयुक्त महिला मोर्चा के ५ घंटे के बिहार बंद का असर दिखा। गाली के खिलाफ बंद के दौरान एक बड़े दैनिक के छायाकार को भागलपुर में अमर्यादित ढंग से गाली दी और मारपीट की। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी को एक बड़ा मुद्दा मिल गया है। मां को भगवान का स्थान देने वाले देश में किसी की मां को गाली देना मुद्दा तो बनता ही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिवंगत मां को सार्वजनिक रूप से गाली देना का मुद्दा अब बिहार चुनाव तक गूंजता नजर आ सकता है भाजपा के इस मुद्दे को लेकर इरादे साफ नजर आ रहे हैं। पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री को जिस मंच से गाली दी गई,वो राहुल गांधी का मंच नहीं है, वो प्लांटेड आदमी था, जिसने गाली दी है। प्रधानमंत्री मोदी को मां की गाली पर भाजपा के बिहार बंद पर राजद नेता तेजस्वी यादव ने पलटवार करते हुए कहा किमां तो मां होती है। मां शब्द जुबान पर आते ही कितना सुकून मिलता है। जो बेजुबान है मां तो उनकी भी होती है। किसी को भी किसी की भी मां-बहन-बेटी के प्रति अपशब्द नहीं बोलना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने पीएम मोदी पर तंज कसते हुए बीजेपी से कई सवाल किए। उन्होंने कहा कि महिलाओं और लड़कियों से बलात्कार करने वाले प्रज्वल रेवन्ना का प्रचार कर उसे जिताने की अपील करें तो वह मोदी जी का मास्टर स्ट्रोक। मोदी जी किसी की माँ को ५० करोड़ की गर्लफ्रेंड बोले तो वाह मोदी जी वाह!, मोदी जी देश के लिए शहादत दे चुके साहसी प्रधानमंत्री की

पत्नी और नेता प्रतिपक्ष की मां को विधवा और जर्सी गाय बोले तो बेशर्म लोग कहेंगे कि मोदी जी ने शानदार भाषण दिया है। मोदी जी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पैदाइश पर यह कहते हुए सवाल उठाये कि इनका डीएनए ही खराब है। अर्थात् इनका खून ही खराब और ग़लत है तो वह सही है? जेडीयू के लोग बताए जो नख और बाल काट प्रधानमंत्री को भेजे थे उनकी रिपोर्ट आ गई है क्या? मोदी जी के सचेतक ने अभी कुछ दिन पहले बिहार विधानसभा में मेरी मां को गाली दी तो मोदी जी ने उसकी पीठ थपथपाई।

फिर वो कहे कि मोदी महान!, एक बीजेपी नेता, हमारी प्रवक्ता को साड़ी-साया खोल सरेआम सड़क पर बलात्कार की धमकी दें तो मोदी जी उसे सम्मानित करते हुए अपने जहाज़ तक बुलाते है। राकेश कुमार मंडल और संजय पोद्दार ने भाजपा पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि जब दूसरों की मां और बहनों को अपमानजनक शब्दों से नवाजा गया, तब भाजपा के नेताओं को कोई संवेदना नहीं हुई। उन्होंने कहा कि आज जब खुद के खिलाफ कुछ कहा गया तो अचानक भावनात्मकता जाग उठी। लोकतंत्र में सहमति-असहमति एक जरूरी प्रक्रिया है। मगर इस क्रम में कोई भी नेता अगर किसी के खिलाफ अभद्र और अशिष्ट शब्द या लहजे का प्रयोग करता है, तो यह राजनीति में गिरावट का ही संकेत है।

पर्यावरणविद् सरिता खानचंदानी की आत्महत्या मामले में शिवसेना (यूबीटी) के जिला अध्यक्ष सहित पाँच पर एफआईआर दर्ज

संवाददाता

उल्हासनगर। पर्यावरणविद् और अधिवक्ता सरिता खानचंदानी की आत्महत्या मामले ने नया मोड़ ले लिया है। उनके सुसाइड नोट के आधार पर विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन में शिवसेना (यूबीटी) के कल्याण जिला अध्यक्ष धनंजय बोडारे सहित चार अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे ने इसकी पुष्टि की। सरिता के पति, पुरुषोत्तम खानचंदानी ने मामले की जांच को लेकर स्थानीय पुलिस की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी पत्नी को मानसिक रूप से परेशान कर आत्महत्या के लिए मजबूर किया गया। जानकारी के अनुसार, सरिता पिछले छह सालों से जिया गोकलानी नामक महिला के संपर्क में थीं। घटना से एक रात पहले दोनों के बीच विवाद हुआ, जिसके बाद गोकलानी की शिकायत पर विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन में सरिता के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। अगली सुबह, वह पुलिस स्टेशन गईं और मामले की जानकारी लेने के बाद घर लौटीं। कुछ ही समय बाद, उल्हासनगर पुलिस स्टेशन के पास स्थित आवासीय भवन की ऊपरी मंज़िल से कूदकर उन्होंने आत्महत्या कर ली। पुरुषोत्तम खानचंदानी ने जिया गोकलानी, उल्हास फाल्के, शिवसेना यूबीटी के जिला अध्यक्ष धनंजय बोडारे, शिवानी शुक्ला और एडवोकेट राज चांदवानी को आत्महत्या के लिए जिम्मेदार ठहराया। उनके अनुसार, सरिता ने आत्महत्या से पहले सुबह ११:२५ बजे अपने कार्यालय में डायरी में कुछ लिखा था, जो बाद में एक सुसाइड नोट निकला। नोट में सरिता ने लिखा था। मैंने कुछ भी गलत नहीं किया है। मैंने किसी से पैसे नहीं लिए हैं।

मैंने जिया गोकलानी के साथ कोई अन्याय नहीं किया है। मैंने किसी संगठन या नेता से एक रुपया भी नहीं लिया है। गोपलानी और उल्हास फाल्के मुझे झूठा फँसा रहे हैं। इन लोगों ने मुझे मानसिक रूप से इतना परेशान किया कि मेरे पास अपनी जान लेने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा। पुलिस ने नोट के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है, लेकिन अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

अवैध शराब की बड़ी खेप जब्त, 1.56 करोड़ रुपये का माल पकड़ा गया, चालक गिरफ्तार

संवाददाता

मुंबई। ठाणे जिले के खारेगांव-ठाणे मार्ग पर खारेगांव में ३ सितंबर को गोवा से लाई जा रही अवैध शराब पर बड़ी कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई में गोवा में निर्मित १,४०० पेटी भारतीय निर्मित विदेशी शराब (छ्इथ) मद्य निषेध अधिनियम के तहत जब्त की गई। टाटा कंपनी के पंजीकरण क्रमांक **DD 01 A 9017** वाले चार पहिया टेम्पो वाहन के साथ कुल १ करोड़ ५६ लाख ६३ हजार ८०० रुपये का माल जब्त किया गया। इस मामले में चालक मोहम्मद समशाद सलमानी को गिरफ्तार किया गया है। कार्रवाई राज्य आबकारी आयुक्त डॉ. राजेश देशमुख, संयुक्त आयुक्त प्रसाद सुर्वे, कोंकण संभाग के विभागीय उपायुक्त प्रदीप पवार, ठाणे अधीक्षक प्रवीण तांबे, उप अधीक्षक श्री पोकले, श्री वैद्य और नवी मुंबई उप अधीक्षक ए.डी. देशमुख के मार्गदर्शन में की गई। उड़नदस्ता निरीक्षक एम.पी.धनशेट्टी, माध्यमिक निरीक्षक एन.आर. महाले, उप-निरीक्षक बी.जी. थोरात और जवान पी.एस. नागरे, पी.ए. महाजन, वी.के.पाटिल, श्रीमती एस.एस. यादव और एम.जी. शेख इस कार्रवाई में शामिल थे। राज्य आबकारी विभाग के अनुसार, इस अपराध की आगे की जाँच अधीक्षक प्रवीण तांबे और निरीक्षक एम. पी. धनशेट्टी द्वारा की जा रही है।

नेरल में 'हलाल लाइफस्टाइल टाउनशिप' को लेकर विवाद, महाराष्ट्र सरकार से रिपोर्ट तलब

संवाददाता

मुंबई। मुंबई से लगभग १०० किलोमीटर दूर नेरल में प्रस्तावित 'हलाल लाइफस्टाइल टाउनशिप' नामक रियल एस्टेट परियोजना का प्रचार विज्ञापन सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। इस परियोजना पर धार्मिक आधार पर विशिष्टता को बढ़ावा देने का आरोप लगाया गया है, जिसकी राजनीतिक दलों और मानवाधिकार संगठनों ने कड़ी आलोचना की है। विवाद तब भड़का जब राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) के पूर्व अध्यक्ष प्रियांक कानूनगो ने इस परियोजना का विज्ञापन साझा किया। वीडियो में हिजाब पहने एक महिला टाउनशिप को ऐसे स्थान के रूप में प्रस्तुत करती दिखी जहाँ समान विचारधारा वाले परिवार, प्रार्थना स्थल, सामुदायिक समारोह और हलाल वातावरण में बच्चों के सुरक्षित रूप से बड़े होने की सुविधाएँ बताई गईं। कानूनगो ने इसे 'राष्ट्र के भीतर राष्ट्र' करार देते हुए महाराष्ट्र सरकार को नोटिस जारी करने की जानकारी दी। इसके बाद शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) के प्रवक्ता कृष्णा हेगड़े ने विज्ञापन हटाने और लक्षित विपणन की जांच की मांग की। उनका कहना था कि इस प्रकार का प्रचार संविधान के समानता सिद्धांतों का उल्लंघन हो सकता है। बढ़ते विवाद के बीच राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने भी हस्तक्षेप किया और महाराष्ट्र सरकार से विस्तृत रिपोर्ट मांगी।

आयोग ने कहा कि यह जांचना आवश्यक है कि क्या परियोजना के विज्ञापन ने कानूनी या संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन किया है। इस प्रकरण ने समुदाय-केंद्रित रियल एस्टेट मार्केटिंग की नैतिकता और सामाजिक सद्भाव पर संभावित प्रभाव को लेकर व्यापक बहस छेड़ दी है। आलोचकों का तर्क है कि धार्मिक आधार पर अत्यधिक लक्षित परियोजनाएँ समाज में विभाजन को बढ़ा सकती हैं। अब जबकि एनसीपीसीआर और एनएचआरसी दोनों इस मामले में सक्रिय हैं, महाराष्ट्र सरकार पर निर्णायक कदम उठाने का दबाव बढ़ गया है।

प्रयागराज कुंभ मेले के नाम पर अंधेरी के इवेंट व्यवसायी से 12.8 लाख रुपए की ठगी, आरोपी पर मामला दर्ज

संवाददाता

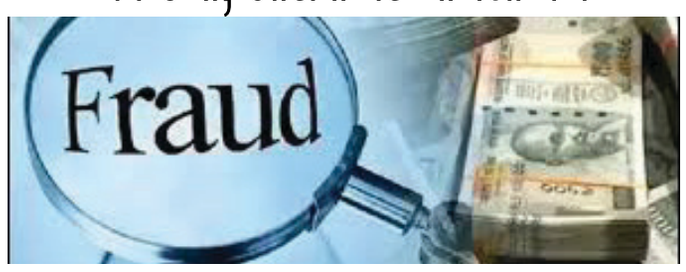

मुंबई। अंधेरी में धोखाधड़ी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहाँ प्रयागराज कुंभ मेले के इवेंट मैनेजमेंट कार्य का ठेका दिलाने के बहाने एक इवेंट व्यवसायी से कथित तौर पर १२.८ लाख रुपए की ठगी की गई। अंबोली पुलिस ने आरोपी आशुतोष उपाध्याय के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस जाँच के अनुसार, उपाध्याय ने खुद को केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय में विशेष कार्यकारी अधिकारी और प्रयागराज कुंभ मेला समिति का सदस्य बताकर पीड़ित से रकम वसूली। पीड़ित, अजय मोदगिल, अंधेरी निवासी और एडवरटेनमेंट नामक इवेंट मैनेजमेंट कंपनी के मालिक हैं, जिसका कार्यालय लक्ष्मी इंडस्ट्रियल एस्टेट, न्यू लिंक रोड में स्थित है। घटना की शुरुआत पिछले वर्ष हुई, जब मोदगिल की लखनऊ से मुंबई की उड़ान में उपाध्याय से मुलाकात हुई।

उपाध्याय ने उच्च सरकारी पद का दावा करते हुए विज़िटिंग कार्ड साझा किया, जिसमें उन्हें कई संगठनों के पदों पर आसीन दिखाया गया था। उसने प्रयागराज कुंभ मेले के आयोजन प्रबंधन के लिए उच्च-मूल्य के टेंडर दिलाने का भरोसा दिलाया और पंजीकरण शुल्क के नाम पर २.८ लाख रुपए मांगे। मोदगिल ने प्रारंभिक भुगतान कर दिया। इसके बाद उपाध्याय ने जाली दस्तावेज़ दिखाकर अतिरिक्त १० लाख रुपए की मांग की, जिसे मोदगिल ने भी हस्तांतरित कर दिया। बाद में, जब काम शुरू नहीं हुआ और उपाध्याय टालमटोल करने लगा, तब मोदगिल को संदेह हुआ। जाँच करने पर दस्तावेज़ नकली पाए गए और उनकी कंपनी का नाम उत्तर प्रदेश सरकार की आधिकारिक वेबसाइट पर दर्ज नहीं था। जब मोदगिल ने रकम वापस मांगी, तो उपाध्याय ने उन्हें एक चेक दिया, जो हस्ताक्षर असंगत होने के कारण बाउंस हो गया। इसके बाद मोदगिल ने अंबोली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने फर्जी दस्तावेजों और धोखाधड़ीपूर्ण गलत बयानी की पुष्टि करते हुए मामला दर्ज कर लिया है। अधिकारियों के अनुसार, आरोपी को जल्द ही पूछताछ के लिए बुलाया जाएगा और उसका बयान दर्ज किया जाएगा। मामले की विस्तृत जाँच जारी है।

मुंबई गृहनिर्माण व क्षेत्रविकास मंडळ

(म्हाडाचा घटक)

म्हाडा MHADA

जाहिर सुचना

मौजे -मागाठाणे, ता. बोरीवली, न. भू. क्र. २१९, २२०, २२३, २६०, २८४ (पै) या मिळकतीवरील ओम शिवाई सह. गृह.संस्थेच्या झोपडपट्टी पुनर्वसन योजनेअंतर्गत परि-२ मधील अ.क्र. ३९२ वरील श्री. अनंत मारुती दळवी यांच्या ऐवजी श्रीम. श्रध्दा शांताराम चिपकर यांचे नाव सामाविष्ट करून पात्रता निश्चित करणेकामीचा अर्ज प्राप्त झाला आहे. सबब सदर नोटीसीद्वारे कळविण्यात येते की, उपरोक्त प्रकरणी हरकत असल्यास ८ दिवसांत खालील सही करणार यांच्या कार्यालयात लेखी स्वरूपात नोंदविण्यात याव्यात. मुदतीनंतर प्राप्त हरकती विचारात घेतल्या जाणार नाही, याची कृपया नोंद घ्यावी, असे याद्वारे जाहिर असे.

पत्ता : कक्ष क्र.३११, दुसरा मजला,
गृहनिर्माण भवन, कलानगर,
वांद्रे (पूर्व), मुंबई -४०० ०५१

करीता/ -
सक्षम प्राधिकारी तथा भूव्यवस्थापक
मुंबई मंडळ

ठिकाण : मुंबई
दिनांक : २२/०८/२०२५

म्हाडा- गृहनिर्माण क्षेत्रातील देशातील अग्रगण्य संस्था

मुंबई गृहनिर्माण व क्षेत्रविकास मंडळ

(म्हाडाचा घटक)

म्हाडा MHADA

जाहिर सुचना

मौजे -मागाठाणे, ता. बोरीवली, न. भू. क्र. २१९, २२०, २२३, २६०, २८४ (पै) या मिळकतीवरील ओम शिवाई सह. गृह.संस्थेच्या झोपडपट्टी पुनर्वसन योजनेअंतर्गत परि-२ मधील अ.क्र. ७७ वरील श्री. जेसी सोनु हडपती यांच्या ऐवजी श्री. अमित बळवंत सावंत यांचे नाव सामाविष्ट करून पात्रता निश्चित करणेकामीचा अर्ज प्राप्त झाला आहे. सबब सदर नोटीसीद्वारे कळविण्यात येते की, उपरोक्त प्रकरणी हरकत असल्यास ८ दिवसांत खालील सही करणार यांच्या कार्यालयात लेखी स्वरूपात नोंदविण्यात याव्यात. मुदतीनंतर प्राप्त हरकती विचारात घेतल्या जाणार नाही, याची कृपया नोंद घ्यावी, असे याद्वारे जाहिर असे.

पत्ता : कक्ष क्र.३११, दुसरा मजला,
गृहनिर्माण भवन, कलानगर,
वांद्रे (पूर्व), मुंबई -४०० ०५१

करीता/ -
सक्षम प्राधिकारी तथा भूव्यवस्थापक
मुंबई मंडळ

ठिकाण : मुंबई
दिनांक : २२/०८/२०२५

म्हाडा- गृहनिर्माण क्षेत्रातील देशातील अग्रगण्य संस्था

महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक बने भारत में टेस्ला कार के पहले मालिक

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक शुक्रवार को भारत में टेस्ला कार के पहले मालिक बन गए। उन्हें बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) स्थित हाल ही में खुले टेस्ला एक्सपीरियंस सेंटर से मॉडल वाई की डिलीवरी मिली।उनकी इस खरीद के साथ ही देशभर में शोरूम के माध्यम से टेस्ला डिलीवरी की आधिकारिक शुरुआत हो गई। इस मौके पर सरनाईक ने कहा कि पहला ग्राहक बनना उनके लिए गर्व का विषय है। उन्होंने बताया कि पर्यावरण-अनुकूल परिवहन को बढ़ावा देने की आवश्यकता से प्रेरित होकर उन्होंने यह निर्णय लिया। सरनाईक ने कहा- यह कार खरीदना कोई बड़ी बात नहीं है, लेकिन एक पर्यावरण-अनुकूल पहल के रूप में, मैंने एक परिवहन मंत्री के रूप में इलेक्ट्रिक वाहन को अपनाया है। इसके माध्यम से, मैं जागरूकता फैलाना चाहता हूँ और लोगों को अधिक पर्यावरण-अनुकूल वाहन खरीदने के लिए प्रोत्साहित करना चाहता हूँ।

उन्होंने आगे कहा- अगले १० वर्षों में, अधिक से अधिक इलेक्ट्रिक वाहन सड़कों पर आने चाहिए। मैंने यह पहली कार अपने पोते के लिए खरीदी है, और मैं चाहता हूँ कि जो माता-पिता ऐसी कारें खरीद सकते हैं, वे अपने बच्चों को स्कूल छोड़ने के लिए इनका उपयोग करें, ताकि युवा पीढ़ी में भी जागरूकता फैल सके। इस वर्ष १५ जुलाई को मुंबई में टेस्ला एक्सपीरियंस सेंटर का उद्घाटन हुआ था, जो भारत में कंपनी का पहला शोरूम है। इसके बाद ११ अगस्त को दिल्ली के एरोसिटी स्थित वर्ल्डमार्क ३ में दूसरा आउटलेट खोला गया। टेस्ला इंडिया ने एक्स प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से घोषणा की है कि मॉडल वाई की डिलीवरी जल्द ही दिल्ली, गुरुग्राम, मुंबई और पुणे में शुरू होगी।

अनंत चतुर्दशी से पहले मुंबई में बम धमकी, पुलिस हाई अलर्ट पर

संवाददाता

मुंबई। अनंत चतुर्दशी की पूर्व संध्या पर मुंबई यातायात पुलिस के आधिकारिक व्हाट्सएप नंबर पर बम धमकी मिलने से शहर में हड़कंप मच गया। संदेश में दावा किया गया कि मुंबई में मानव बमों से लदे ३४ वाहन तैनात किए गए हैं और विस्फोटों के बाद शहर 'दहल जाएगा'। संदेश भेजने वाले ने खुद को 'लश्कर-ए-जिहादी' नामक संगठन से जुड़ा बताया और दावा किया कि १४ पाकिस्तानी आतंकवादी पहले ही शहर में घुसपैठ कर चुके हैं। धमकी में यह भी कहा गया कि नियोजित विस्फोटों में ४०० किलोग्राम आरडीएक्स का इस्तेमाल किया जाएगा और इससे 'एक करोड़ तक लोग' मारे जा सकते हैं। संवेदनशील समय को देखते हुए मुंबई पुलिस ने संदेश को गंभीरता से लिया है। साइबर सेल और आतंकवाद-रोधी दस्ते (एटीएस) को संदेश के स्रोत और प्रामाणिकता की जाँच के लिए लगाया गया है। शहर के प्रमुख चौराहों, धार्मिक जुलूस मार्गों और भीड़-भाड़ वाले इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे सतर्क रहें, किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना दें और अफवाहों पर ध्यान न दें। यह धमकी कुछ ही दिनों पहले मिली फोन कॉल और ईमेल धमकियों की श्रृंखला के बाद आई है, जिससे त्योहारों के मौसम में मुंबई की सुरक्षा को लेकर नई चिंता पैदा हो गई है।

2929 करोड़ रुपये की ऋण चूक: सीबीआई ने रिलायंस कम्युनिकेशंस और अनिल अंबानी के खिलाफ जांच शुरू की

संवाददाता

मुंबई। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की शिकायत पर २९२९.०५ करोड़ रुपये के कथित ऋण चूक मामले में मेसर्स रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड (आरकॉम), इसके निदेशक अनिल डी. अंबानी, अज्ञात लोक सेवकों और अन्य के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। सीबीआई की प्राथमिकी के अनुसार, २,२१९ करोड़ रुपये के अंतर-कंपनी ऋण लेनदेन कथित रूप से खातों में हेरफेर कर किए गए और स्वीकृत धन का दुरुपयोग कर बैंक के साथ बेईमानी से विश्वासघात किया गया।

भारतीय दंड संहिता और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज

२१ अगस्त को दर्ज इस मामले में भारतीय दंड संहिता और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत आपराधिक षड्यंत्र, धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और आपराधिक कदाचार के आरोप लगाए गए हैं। आरोप है कि इन कार्यों से बैंक को २९२९.०५ करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। रिलायंस कम्युनिकेशंस, जो दिसंबर २००२ में स्थापित हुई और दिसंबर २०१७ में उपभोक्ता मोबाइल सेवा कारोबार से बाहर हो गई थी, को एसबीआई से सितंबर २०१२ में १,५०० करोड़ रुपये का नया सावधि ऋण और अगस्त २०१६ में ५६५ करोड़ रुपये का अतिरिक्त अल्पकालिक ऋण मिला था।

फोरेंसिक ऑडिट रिपोर्ट से खुलासा

धोखाधड़ी का खुलासा तब हुआ जब फोरेंसिक ऑडिटर मेसर्स बीडीओ इंडिया एलएलपी ने १५ अक्टूबर २०२० को अपनी रिपोर्ट एसबीआई को सौंपी। यह रिपोर्ट १ अप्रैल २०१३ से ३१ मार्च २०१७ तक की अवधि को कवर करती है। रिपोर्ट के अनुसार, आरोपी व्यक्तियों ने ऋण सुविधाएँ प्राप्त करने के बाद उनकी शर्तों का उल्लंघन किया और धन को अन्यत्र स्थानांतरित किया।

अंतर-कंपनी हस्तांतरण से धन का विचलन

प्राथमिकी में कहा गया कि आरकॉम, आरआईटीएल और आरटीएल ने

बैंक ऋण राशि को आपस में स्थानांतरित किया। आरकॉम ने आरटीएल को ७८३.७७ करोड़ रुपये और आरआईटीएल को १४३५.२४ करोड़ रुपये ट्रांसफर किए। यह लेनदेन अक्सर सहयोगी कंपनियों के माध्यम से हुए, न कि सीधे आवश्यक कंपनियों को।

अन्य आरोप और अनिल अंबानी का बयान

आरोपों में ऋण निधि के दुरुपयोग, संभावित मार्ग-निर्धारण, बिक्री चालान वित्तपोषण का दुरुपयोग, पूंजीगत अग्रिमों का बट्टे खाते में डालना और काल्पनिक देनदारों का निर्माण शामिल है। २३ अगस्त को सीबीआई ने आरकॉम और अनिल अंबानी से जुड़े परिसरों की तलाशी ली।

अंबानी के प्रवक्ता ने बयान जारी कर कहा कि यह मामला दस साल से पुराने मामलों से संबंधित है और संबंधित समय पर श्री अंबानी कंपनी के गैर-कार्यकारी निदेशक थे, दैनिक प्रबंधन में शामिल नहीं थे। उन्होंने आरोपों को चुनिंदा कार्रवाई बताया और कहा कि यह मामला छह वर्षों से विभिन्न न्यायिक मंचों पर विचाराधीन है। श्री अंबानी ने सभी आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि वह विधिवत अपना बचाव करेंगे और एसबीआई की घोषणा को सक्षम न्यायिक मंच पर चुनौती दी है।

इंद्राणी मुखर्जी केस: बेटी विधि मुखर्जी की गवाही पूरी, कई सवाल अब भी अनुत्तरित

संवाददाता

मुंबई। अदालत ने गुरुवार को इंद्राणी मुखर्जी की बेटी विधि मुखर्जी का बयान दर्ज करना समाप्त किया, जिससे इस बहुचर्चित मामले में कई नए पहलू उजागर हुए और कई सवाल अब भी अनुत्तरित रह गए। विधि ने जाँच एजेंसियों के समक्ष और बाद में अपनी गवाही में विरोधाभासी रुख अपनाया, जबकि गुरुवार को अदालत में दाखिल हलफनामे में उन्होंने कुछ पूर्ववर्ती बयानों से असहमति जताई। गुरुवार को पीटर मुखर्जी की वकील मंजुला राव ने विधि से जिरह की, जिसमें उनकी शिक्षा, विदेश दौरों के खर्च, शिक्षा ऋण और न्यूज़ीलैंड के एएनजेड बैंक में खाते के विवरण सहित कई मुद्दों पर सवाल पूछे गए। राव ने इंगित किया कि इंद्राणी के जमानत पर रिहा होने के बाद, विधि को कुछ महीनों के लिए अपनी माँ के साथ रहने की अनुमति देने हेतु दायर याचिका में उनका प्रतिनिधित्व इंद्राणी के वकील रंजीत सांगले ने किया था। जिरह के दौरान विधि ने कई सवालों के जवाब देने से परहेज किया और कुछ मामलों में विशेषाधिकार का हवाला दिया। उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने पीटर मुखर्जी के पत्र के आधार पर एएनजेड बैंक के संयुक्त खाते से धनराशि स्थानांतरित की थी, जिसे उन्होंने नकार दिया। राव ने दावा किया कि पीटर ने अदालत में आरोप लगाया था कि बैंक को जारी पत्र पर उनके जाली हस्ताक्षर थे। बाद में विधि से पूछा गया कि क्या उन्होंने एक अलग खाता खोला और अपने माता-पिता के खाते से धनराशि अपने खाते में ट्रांसफर करवाई। उन्होंने खाता खोलने की बात स्वीकार की, लेकिन धनराशि के स्थानांतरण से इनकार किया। हालांकि, उन्होंने स्वीकार किया कि पीटर के यूके स्थित वकील से एक बड़ी राशि उनके अन्य खाते में आई थी। विधि ने अपनी पुस्तक 'डेविल्स डॉटर' का भी उल्लेख किया, जिसे उन्होंने कोविड महामारी के दौरान २०२१ में हांगकांग में फंसे होने के समय लिखा था। उन्होंने कहा कि उन्हें पुस्तक प्रकाशित करने का पछतावा है, लेकिन अग्रिम राशि लौटाने से इनकार किया।

विशेष सीबीआई अदालत में दाखिल दिसंबर २०२२ के हलफनामे को लेकर पूछे गए सवालों पर उन्होंने कहा कि वे न तो वकील को पहचान सकती हैं और न ही हस्ताक्षर को, और इसके कारणों पर भी जवाब देने से बचीं।

गवाही पूरी होने के बाद, विधि ने अदालत से अपने माता-पिता इंद्राणी और पीटर मुखर्जी को गले लगाने की अनुमति मांगी। सुनवाई समाप्त होने पर माँ-बेटी ने लगभग एक दशक बाद एक-दूसरे से मिलकर खुशी व्यक्त की। इंद्राणी मुखर्जी ने कहा, आज मुझे सचमुच आज़ादी का एहसास हो रहा है। अब विधि को होटल में रुकने की ज़रूरत नहीं और वह मेरे साथ रह सकती है। अदालत द्वारा दी गई ज़मानत की शर्तों के अनुसार, अभियुक्तों को गवाहों से संपर्क करने पर रोक थी, जो अब इस महत्वपूर्ण चरण के बाद हटती हुई प्रतीत हो रही है।

Yamuna still above danger mark in Delhi

New Delhi: There is a constant threat of flood in Delhi. Due to the water released from Hathinikund Barrage, the water level of Yamuna river has reached dangerous levels. This morning, the water level of Yamuna at the old iron bridge was recorded at 207.33 meters, which is still above the danger mark of 205.33 meters. Yamuna river is flowing above the danger mark in Delhi. Water is expected to reach the road of the old iron bridge. On Thursday, the water level of the river at the old railway bridge reached 207.48 meters, which is the highest level of this season. After remaining stable for some time, it has now started decreasing gradually. The picture was taken through drone from Signature Bridge. Where after continuous rain, Yamuna river is flowing above the danger mark. People living in low-lying areas have been shifted to relief camps set up near Mayur Vihar Phase-1 as the Yamuna river overflowed and crossed the danger mark after continuous rains. Machines were installed in areas around Vasudev Ghat to drain out the flood water. At the same time, Yamuna water has also reached Kalindi Kunj area. In view of the possible flood situation, people living in low-lying areas have been shifted to safer places as a precaution. The water level of Yamuna river in Delhi reached 207.33 meters on Friday morning. While the warning level is 204.50 meters, dangerous level is 205.33 meters and high flood level is 208.66 meters. The Monastery Market located in the Civil Lines area is flooded as the Yamuna river is in spate. It has entered some parts of the city. Parts of NCR are flooded as the Yamuna river overflowed and entered the cities after heavy rains. Yamuna water has reached Noida Sector 135. ISBT Kashmiri Gate, Civil Lines and Yamuna Bazaar are flooded with 4 to 10 feet of water. The condition of Yamuna Bazaar is the worst. Apart from this, sewers are overflowing in many other colonies as well. However, the matter of relief is that the water of Yamuna has started receding, albeit slowly. On Thursday, the water level of Yamuna went down by about 5 cm. Crossing the Outer Ring Road near Yamuna, the flood water has also engulfed the residential colonies of Bela Road Civil Lines. There is silence in the entire colony. Most of the people have left their homes and taken shelter in safe places. The colony is filled with about four feet of water. Yamuna Bazaar started drowning from the first day, on Thursday it was flooded with about 7 feet of water. The relief camps built here have also been shifted to another place. The speed of Yamuna is still very high and the speed of water receding is slow. The area from Wazirabad to Okhla Barrage is considered the downstream area of Yamuna. Currently, about 1.5 lakh cusecs of water is being released from Hathinikund Barrage every hour, while about 2 lakh cusecs of water is being released from Wazirabad and Okhla Barrage in Delhi every hour, so the speed of water in Delhi is very high.

Saffron flag hoisted in DU Teachers' Union elections, BJP-backed NDTF's Prof. Negi became president

new Delhi: Saffron flag has been hoisted in Delhi University Teachers' Union elections. Prof VS Negi of BJP-backed teachers' organization NDTF has been elected DUTA president. He defeated Prof Rajiv Ray of leftist organization DTF by 638 votes. Last year also NDTF had won the DUTA president post. Then Prof AK Bhagi became the president. The results were declared between 2 and 3 o'clock in the night. Prof got 3766 votes while Rajib Ray got 2728 votes. Rajesh Jha of Aam Aadmi Party's teachers' organization AAD TA got 1451 votes.

Voting for the Delhi University Teachers' Association (DUTA) elections was enthusiastic on Thursday, in which 8,221 out of 9,800 eligible teachers exercised their franchise. Thus 84 percent voting took place, which is slightly less than the 85.85 percent recorded in 2023.

Polling was held from 10 am to 5 pm at 32 polling booths set up at the Faculty of Arts and Satyakam Bhawan to decide the fate of six candidates for the post of president and 25 candidates for 15 posts of executive members. Counting of votes for the post of president continued till late night while the results of the executive were declared.

15 members were elected to the DUTA executive, of whom Akanksha Khurana topped the list with 9,576 votes. She was followed by Ramanand Singh (9,192) and Manish Kumar (7,372). Other winners are Sakshi Yadav (6,612), Dinesh Kataria (6,439), Amit Singh (6,388), Bimalendu (6,081), Sanjay Kumar (5,862), Vishwajit Mohanty (5,658), Chhotu Ram Meena (5,632), Bhupendra Singh (5,338), Yash Yadav (5,283), VS Dixit (5,238), Devendra K Rana (4,521) and Dhanraj Meena (3,949).

Delhi University was seen immersed in the colours of teachers' union elections on Thursday. Teachers were excited about the elections since morning. Voting started at 10 am and continued till 5 pm in which a large number of teachers reached to cast their votes. During this time, candidates and their supporters kept asking for votes outside the polling booths. After the voting, the counting of votes also started late in the evening. By the time one thousand votes were counted, NDTF candidate Dr. VS Negi was leading by about 300 votes. Voting started at 10 am in the Arts Faculty and Satyakam Bhawan in the North Campus and concluded at 5 pm. Counting of votes began after 6 pm. Around 75-80 percent voting took place in the election.

Representatives of teachers' organizations outside the polling booths kept appealing to vote for their candidate. This continued till evening. From the Arts Faculty to the entire campus, the election mood remained high. As soon as voting was over, counting of votes began. There are 9,873 voters in the form of teachers in DU. Out of this, 75-80 percent cast their votes. In the initial counting of one thousand votes, Prof. VS Negi of the right wing teachers' organization NDTF was leading. Rajib Ray of DTF was at the second position.

Police arrested a robber with a reward of Rs 25,000 who looted a jeweler after an encounter

Modinagar: Bhojpur police arrested a robber with a reward of Rs 25,000 who was wanted in a case of robbery from a jeweler after an encounter on Wednesday night. During the encounter, the robber was injured after being shot in the leg. Police sent the injured robber to the hospital for treatment. The robber has about 30 cases registered against him including robbery, loot, attempt to murder and gangster in many districts of western Uttar Pradesh including Delhi NCR. The robber, who was caught, along with his two accomplices, looted a jeweler at gunpoint in May last. Police has already arrested two robbers. ACP Modinagar Amit Saxena said that on Wednesday night, information was received that a robber with a reward of Rs 25,000, wanted in the case of robbery with jeweler Rajiv Verma, a resident of Hapur in Bhojpur area last May, is active in the area. After getting the information, Bhojpur police station in-charge Sachin Baliyan along with police force and SWAT team started surrounding the robber. When the team reached the village Palauta-Fazalgarh intersection, a bike rider was seen as a suspect. When the police tried to stop the bike rider, he ran away. When the police chased him, the accused, seeing himself surrounded, opened fire on the police. The police also fired back.

मुंबई गृहनिर्माण व क्षेत्रविकास मंडळ

(म्हाडाचा घटक)

म्हाडा MHADA

जाहिर सुचना

मौजे -मागाठाणे, ता. बोरीवली, न. भू. क्र. २१९, २२०, २२३, २६०, २८४ (पै) या मिळकतीवरील ओम शिवाई सह. गृह.संस्थेच्या झोपडपट्टी पुनर्वसन योजनेअंतर्गत परि-२ मधील अ.क्र. २७७ वरील श्री. मोहनलाल कालिकाप्रसाद यादव यांच्या ऐवजी श्री. राजु मांजप्पा गोवडा यांचे नाव सामाविष्ट करून पात्रता निश्चित करणेकामीचा अर्ज प्राप्त झाला आहे. सबब सदर नोटीसीद्वारे कळविण्यात येते की, उपरोक्त प्रकरणी हरकत असल्यास ८ दिवसांत खालील सही करणार यांच्या कार्यालयात लेखी स्वरूपात नोंदविण्यात याव्यात. मुदतीनंतर प्राप्त हरकती विचारात घेतल्या जाणार नाही, याची कृपया नोंद घ्यावी, असे याद्वारे जाहिर असे.

पत्ता : कक्ष क्र.३११, दुसरा मजला,
गृहनिर्माण भवन, कलानगर,
वांद्रे (पूर्व), मुंबई -४०० ०५१

करीता/ -
सक्षम प्राधिकारी तथा भूव्यवस्थापक
मुंबई मंडळ

ठिकाण : मुंबई
दिनांक : २२/०८/२०२५

म्हाडा- गृहनिर्माण क्षेत्रातील देशातील अग्रगण्य संस्था

मुंबई गृहनिर्माण व क्षेत्रविकास मंडळ

(म्हाडाचा घटक)

म्हाडा MHADA

जाहिर सुचना

मौजे -मागाठाणे, ता. बोरीवली, न. भू. क्र. २१९, २२०, २२३, २६०, २८४ (पै) या मिळकतीवरील ओम शिवाई सह. गृह.संस्थेच्या झोपडपट्टी पुनर्वसन योजनेअंतर्गत परि-२ मधील अ.क्र. २१५ वरील श्री. पोपट दत्तात्रय यादव यांच्या ऐवजी श्री. विनायक लक्ष्मण कावणकर यांचे नाव सामाविष्ट करून पात्रता निश्चित करणेकामीचा अर्ज प्राप्त झाला आहे. सबब सदर नोटीसीद्वारे कळविण्यात येते की, उपरोक्त प्रकरणी हरकत असल्यास ८ दिवसांत खालील सही करणार यांच्या कार्यालयात लेखी स्वरूपात नोंदविण्यात याव्यात. मुदतीनंतर प्राप्त हरकती विचारात घेतल्या जाणार नाही, याची कृपया नोंद घ्यावी, असे याद्वारे जाहिर असे.

पत्ता : कक्ष क्र.३११, दुसरा मजला,
गृहनिर्माण भवन, कलानगर,
वांद्रे (पूर्व), मुंबई -४०० ०५१

करीता/ -
सक्षम प्राधिकारी तथा भूव्यवस्थापक
मुंबई मंडळ

ठिकाण : मुंबई
दिनांक : २२/०८/२०२५

म्हाडा- गृहनिर्माण क्षेत्रातील देशातील अग्रगण्य संस्था

मुंबई गृहनिर्माण व क्षेत्र विकास मंडळ

म्हाडाचा घटक

जाहीर सूचना

मौजे : मागाठाणे, तालुका बोरीवली येथील न.भू.क्र. १८० (भाग), १८३ (भाग) या मिळकतीवरील मागाठाणे ओम साई सह.गृह.संस्था (नियो.) या संस्थेच्या झोपडपट्टी पुनर्वसन योजने अंतर्गत परिशिष्ट-२ मधील अनु.क्र.५९, वनिता मनोहर सुर्वे यांच्या ऐवजी शशिकला आत्माराम मोरे यांचे नाव परिशिष्ट-२ मध्ये समाविष्ट करुन पात्रता निश्चित करणे कामीचा अर्ज प्राप्त झालेला आहे. सबब, सदर नोटीस द्वारे कळविण्यात येते की, उपरोक्त प्रकरणी हरकत असल्यास ८ दिवसात खालील सही करणार यांच्या कार्यालयात लेखी स्वरुपात नोंदविण्यात याव्यात. मुदतीनंतर प्राप्त हरकती विचारात घेतल्या जाणार नाहीत. याची कृपया नोंद घ्यावी.

असे यादवारे जाहीर असे,

पत्ता - कक्ष क्र.३११, दुसरा मजला, गृहनिर्माण भवन, कलानगर, वांद्रे (पू), मुंबई-४०० ०५१.

करिता : सक्ष०३/०९/२०२५था भू व्यवस्थापक, मुंबई मंडळ

ठिकाण : मुंबई

दिनांक :- ०५/०९/२०२५

म्हाडा गृहनिर्माण क्षेत्रातील देशातील अग्रगण्य संस्था

छगन भुजबळांनी ओबीसींना दिला संयमाचा सल्ला

नाशिक. मराठा आरक्षणाच्या संदर्भात शासनाच्या निर्णयाबाबत संभ्रम असून, ओबीसी आणि मागासवर्गीयांच्या अनेक संघटना, वेगवेगळ्या ठिकाणी निवेदन देणे, मोर्चे काढणे, रोष व्यक्त करीत आहेत. परंतु सध्याचे सणासुदीचे दिवस पाहता शांतपणे आपले म्हणणे सरकारी दरबारी नक्की मांडावे मात्र उपोषण, मोर्चे, शासकीय कागदपत्रे फाडण्याचे प्रकार तात्काळ थांबवावे असा सल्ला ओबीसी नेते व मंत्री छगन भुजबळ यांनी ओबीसी संघटनांना दिला आहे. समाजमाध्यमातून भुजबळ यांनी संवाद साधला असून, त्यात शासन निर्णयाबाबत ओबीसींच्या इतर नेत्यांशी चर्चा केली आहे. त्यासाठी कायदेतज्ज्ञ, वकील यांचे मते घेत आहोत. आवश्यक असेल तर उच्च न्यायालयात किंवा सर्वोच्च नायायालयात जाण्याची आपली तयारी आहे. यात काय बदल आहेत ते तपासणे आवश्यक असून, त्यासाठी सविस्तर चर्चा करावी लागेल. तसेच सध्या राज्यात गणेशोत्सव सुरू असून गणेश विसर्जन जवळ आले आहे. आपल्या अनेकांच्या घरी गणपती आहेत, या निमित्ताने सुरू असलेल्या कार्यक्रमांमध्ये अनेक कार्यकर्ते, जनता व्यग्र आहे. पुढे शनिवार, रविवारच्या सार्वजनिक सुट्टया आहेत. या सर्वांचा विचार करून कदाचित येत्या सोमवार किंवा मंगळवारपर्यंत न्यायालयात जाण्याचा विचार करत आहोत. या शासन निर्णयामुळे ओबीसींचे नुकसान होत आहे, असे वकील व कायदेतज्ज्ञ यांच्यामार्फत निष्पन्न झाल्यानंतर आणि त्यासंदर्भात न्यायालयात जाण्याची आवश्यकता दर्शविल्यानंतर उच्च न्यायालय किंवा सर्वोच्च न्यायालयात जाण्याची आपली तयारी आहे. तो पर्यंत सर्वांनी शांतता राखावी असेही भुजबळ यांनी आवाहन केले आहे.

बिहार काँग्रेसच्या टिप्पणीवरून गोंधळ, भाजप म्हणते- 'बिहारींची बिडीशी तुलना?'

पटना. काँग्रेसचे वरिष्ठ नेते गांधी यांचे अधिकार यात्रा केल्यावर राहुल मोदी आणि त्यांची मां गाली द्यायची नंतर सियासी गलियारी में लगी आग अभी समजत नाही आणि एक मोठा बवाल मच. भारतीय जनता पार्टी ने काँग्रेस वर माँ अपमान के बाद अब बिहार के अपमान का जवाब लगा है. भाजपची ओरड काँग्रेस पार्टी केरल युनिटने सोशल मीडियावर पोस्ट का खूब शेअर केली आहे. डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी आणि प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल यांनी या काँग्रेसवर जमकर हमला बोला।दरअसल, काँग्रेस केरल युनिटने एक पोस्ट लिहिली आहे. त्यांनी लिहिले होते,बिडी आणि बिहारची सुरुवात बी...यानी ₹बीडी आणि बिहार 'ब' ने सुरू होते₹. हे पोस्ट पूर्ण व्हायरल झाले. सोशल मीडियावर काँग्रेस को बिहार के युवांनी ट्रोल केले. त्याच्या नंतर भाजपा ने शेअर कर कांग्रेस पर निशाना साधा. तथापि, ही पोस्ट आता काढली गेली आहे. भाजपचे बिहार प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने काँग्रेसने ती हमला बोलतांना सांगितले की काँग्रेस पार्टी ने एक बार फिर आपली मानसिकता प्रकट केली आहे. काँग्रेस नेताओं का बिहार आणि बिहारियों के अमानजनक रवैया नया नहीं है. केरल काँग्रेसने पोस्ट केली की काँग्रेसची वास्तविकता काय आहे?

प्रदेश अध्यक्ष ने प्रश्न उठवला की काय काँग्रेस पार्टी बिहारियों की तुलना बीड़ी कर रही है? काय हे बिहार गरीब आणि मेहनती लोकांचे अपमान नाही? दिलीप जायसवाल यांनी यावर टिप्पणी केली की संपूर्ण बिहार कामान अपमान आहे आणि जनता काँग्रेस कभी माफ करणार नाही. ते काँग्रेसचे नेतृत्व करत आहेत. वहीं, इस केस को बिहार मध्ये काँग्रेस सतत हमले तेज होते. सोशल मीडिया पर काँग्रेस के खिलाफ गुस्सा साफ देखा जा सकता है.

अब बिहार के उपमुख्यमंत्री आणि वरिष्ठ भाजपा नेता सम्राट चौधरी ने काँग्रेसवर तीखा हमला बोला आहे. त्यांनी सोशल मीडियावर एक पोस्ट शेअर केली आहे. त्याच काँग्रेसचे वास्तविक चरित्र, जो बार-बार देश समोर प्रकट होत आहे. सम्राट चौधरी ने सांगितले की काँग्रेस-बार आपली मानसिकता आणि मानसिकता जाहिर करत आहे. त्यांनी प्रश्न केला की काय ही वही पार्टी है जो स्वतःला गरीबों की हितैषी सांगतो, पण हर बार गरीब, मेहनत आणि मागची राज्ये ही अमानवीय आहेत?

समाज व विद्यार्थी घडविण्याचे कार्य शिक्षक करत असतात – ॲड. ठाकरे

नाशिक. प्रत्येकाच्या जीवनात मार्गदर्शक म्हणून आई-वडील, गुरु व शिक्षक यांचे मोलाचे स्थान असते. शालेय जीवनापासून ते महाविद्यालयीन जीवनापर्यंत विद्यार्थ्यांचे शैक्षणिक तसेच बौद्धिक घडण शिक्षकांमार्फत होत असते. यातूनच समाज व विद्यार्थी घडविण्याचे काम शिक्षक करतात, असे प्रतिपादन मविप्र सरचिटणीस ॲड. नितीन ठाकरे यांनी केले. के.टी.एच.एम. महाविद्यालयात आयोजित शिक्षक दिन व विद्यार्थी गुणगौरव समारंभात अध्यक्षस्थानावरून बोलत होते. यावेळी व्यासपीठावर शिक्षणाधिकारी डॉ. कैलास शिंदे, प्राचार्या डॉ. कल्पना अहिरे, उपप्राचार्य डॉ. एन. डी. गायकवाड, डॉ. वसंत बोरस्ते, प्रा. किरण रेडगावकर व प्रा. गावले उपस्थित होते. ॲड. नितीन ठाकरे पुढे म्हणाले, "मविप्र संस्थेची १११ वर्षांपासून अविरत वाटचाल सुरू आहे. संस्थेच्या कर्मवीर, देणगीदार यांच्याइतकाच जुन्या काळातील शिक्षकांचा मोलाचा वाटा आहे. वर्गखोल्या, इमारत नसतानाही शिक्षकांनी विद्यार्थ्यांना शिक्षण दिले. सध्या नव्या शैक्षणिक धोरणामुळे संशोधन व नावीन्यतेला महत्व प्राप्त झाले आहे. विद्यार्थ्यांना नवनवीन ज्ञान देण्यासाठी शिक्षकांनी स्वतःमध्येही बदल घडवणे आवश्यक आहे." या दृष्टीने संस्थेने मानव विकास संशोधन केंद्र स्थापन केले असून आयसर व आयुका सारख्या संस्थांच्या माध्यमातून शिक्षक प्रशिक्षण सुरु असल्याचे त्यांनी सांगितले. "भविष्यात निश्चितच चांगले शिक्षक घडतील," असा विश्वासही त्यांनी व्यक्त केला.

प्रास्ताविक करताना प्राचार्या डॉ. कल्पना अहिरे म्हणाल्या की, "शिक्षक हे विद्यार्थ्यांमध्ये मूल्य व संस्कार रुजवून गुणवत्तापूर्ण विद्यार्थी तयार करतात. शिस्त, नैतिकता व सद्गुण शिक्षकांच्या माध्यमातून रुजवल्याने विद्यार्थी आदर्श नागरिक म्हणून घडतो."यावेळी पेटंट प्राप्त शिक्षक, पुस्तक लेखक, राज्यस्तरीय आपत्ती व्यवस्थापन शिबिरातील सहभाग, प्रजासत्ताक दिन नवी दिल्ली संचलनात सहभाग, पुणे विद्यापीठ अविष्कार स्पर्धेत प्रथम येणारे विद्यार्थी, राष्ट्रीय सेवा योजना तसेच पदवी व पदव्युत्तर परीक्षेत विद्यापीठात प्रथम येणारे गुणवंत विद्यार्थी यांचा मान्यवरांच्या हस्ते सन्मान करण्यात आला.

समारंभाचे सूत्रसंचालन डॉ. तुषार पाटील यांनी केले. डॉ. छाया शिंदे यांनी बक्षीस वितरणाची यादी वाचली, तर आभार प्रदर्शन उपप्राचार्य डॉ. वसंत बोरस्ते यांनी केले.

लग्नानंतरच्या पहिल्याच मुळाला प्रियकरासमवेत काढला पळ

मनमाड. विवाहानंतर पहिल्याच मुळाला माहेराहून रेल्वेने सासरी परतणाऱ्या विवाहितेने सासू सासऱ्यांना गुंगारा देत प्रियकरासमवेत पळ काढला. या प्रकरणी मनमाड लोहमार्ग पोलिसांनी संशयित प्रियकराविरोधात गुन्हा दाखल केला असून, चौकशीत ही विवाहिता अल्पवयीन असल्याचे निष्पन्न झाले आहे !पोलिसांनी दिलेल्या माहितीनुसार, या प्रकरणी वाशिम जिल्ह्यात शेतमजुरी करणाऱ्या पित्याने व माडसांगवी येथील सासऱ्यांनी लोहमार्ग पोलिस ठाण्यात फिर्याद दाखल केली आहे. सदर मुलीचा विवाह नाशिक तालुक्यातील माडसांगवी येथील युवकाशी झाला. विवाहानंतर पहिल्या मुळाला माहेरी आलेल्या विवाहितेस सासरी परत नेण्यासाठी तिचे सासू-सासरे विदर्भ एक्स्प्रेसने नाशिककडे येत होते. मनमाड येथे गाडी थांबल्यावर आपण बाथरूममध्ये जाऊन कपडे बदलून येते, असे सांगून ही नवविवाहिता बेपत्ता झाली.

अक्षय कुमार ने टाइगर श्रॉफ की 'बागी 4' को बताया फुल ऑन एक्शन हंगामा

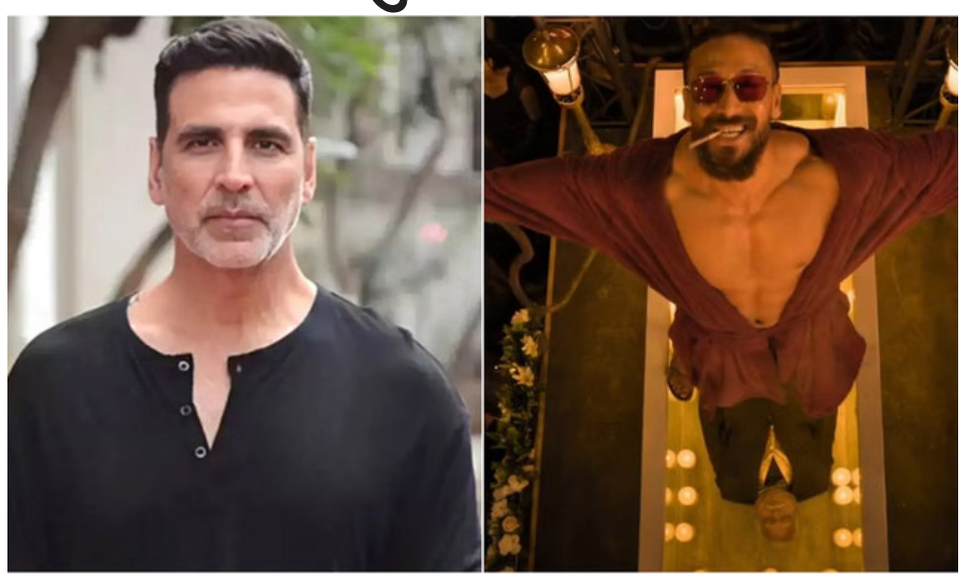

टाइगर श्रॉफ और संजय दत्त की फिल्म 'बागी 4' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। ट्रेलर सामने आने के बाद से ही फिल्म को लेकर लोगों की उत्सुकता काफी बढ़ गई थी और वो बेसब्री से फिल्म का इंतजार कर रहे थे। अब फिल्म रिलीज हो चुकी है। इस बीच अब अभिनेता अक्षय कुमार ने 'बागी 4' के लिए टाइगर श्रॉफ को शुभकामनाएं दी हैं।

अक्षय कुमार ने अपने इंस्टाग्राम पर 'बागी 4' से संबंधित एक स्टोरी साझा की है। इस स्टोरी में अक्षय ने टाइगर श्रॉफ और फिल्म की बाकी टीम को शुभकामनाएं दी हैं। अक्षय ने अपनी स्टोरी में टाइगर श्रॉफ और सुनित मोरारजी की एक फोटो साझा की है। अक्षय ने लिखा, 'बागी 4 का शोर सुनाई दे रहा है। फुल ऑन एक्शन वाला हंगामा। मेरे दोस्त साजिद नाडियाडवाला, टाइगर श्रॉफ और सुनित मोरारजी को हार्दिक शुभकामनाएं। स्क्रीन पर आग लगा दो।' अक्षय कुमार ने टाइगर श्रॉफ के साथ फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां 2' में काम किया है। यह एक एक्शन फिल्म है। हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही थी। लेकिन बीते दिनों टाइगर श्रॉफ ने एक इंटरव्यू में बताया था कि उन्हें इस फिल्म में काम करके काफी अच्छा लगा था और फिल्म के सेट पर अक्षय समेत कई लोग उनके दोस्त बन गए। 'बागी 4' टाइगर श्रॉफ की बागी फ्रेंचाइजी की चौथी फिल्म है। इस फिल्म में टाइगर के साथ संजय दत्त, हरनाज कौर संधू, सोनम बाजवा, श्रेयस तलपड़े और सौरभ सचदेवा प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं। इस फिल्म में एक जबरदस्त एक्शन और वॉयलेंस देखने को मिल रहा है, जिसके चलते 'बागी 4' को सेंसर बोर्ड ने ए सर्टिफिकेट दिया है। फिल्म का निर्देशन ए हर्षा ने किया है।

मोतियों की बनी ड्रेस में अनन्या ने फ्लॉन्ट किया कर्वी फिगर

अनन्या इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। इसी बीच अनन्या ने अपना एक स्टाइलिश लुक में वीडियो सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किया है। लेकिन अनन्या का यह लुक उनके पिता चंकी पांडे को कैसा लगा, इस बात का खुलासा अनन्या ने खुद किया है।

अनन्या पांडे ने आज इंस्टाग्राम पर अपना खास वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में अनन्या पहले मेकअप करती नजर आ रही हैं। बाद में अनन्या मोतियों से जड़ी ड्रेस में बेहद खूबसूरत दिखाई दे रही हैं।

इस शानदार वीडियो के साथ अनन्या ने कैप्शन में लिखा, 'मेरे पिता जी (चंकी पांडे) यह नहीं कह रहे हैं कि मेरा ग्लैमर किसी कॉमेडी शो जैसा लग रहा है। यह वीडियो आपके लिए है।'

सेलेब्स और फैंस के कमेंट्स

सिंगर कनिका कपूर और अनन्या की मां भावना पांडे ने लाल दिल वाले स्माइली इमोजी बनाए हैं। निर्देशक प्रियंका कपाड़िया ने लिखा, 'हाहाहा, क्या हमें अपनी बातें बतानी चाहिए', एक फैन ने लिखा, 'मुझे बहुत पसंद आया', एक और फैन ने लिखा, 'नया हेयर स्टाइल अपना रही हैं अनन्या, क्या आपको ये हेयर स्टाइल पसंद है?', एक फैन ने लिखा, 'बहुत पसंद आया।'

अनन्या का वर्कफ्रंट

कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म का निर्देशन समीर विदवान कर रहे हैं। इसका निर्माण करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस और नमः पिक्चर्स ने किया है। यह फिल्म अगले वैलेंटाइन पर सिनेमाघरों में 13 फरवरी 2026 को रिलीज होगी।

नागिन' सीरियल को ट्रोल करने वालों पर भड़के अर्जुन

साल 2015 में टीवी पर 'नागिन' शो की शुरुआत हुई थी। एकता कपूर के इस शो को काफी पसंद भी किया गया। हालांकि इस शो में वास्तविक कहानी ना दिखाए जाने के कारण इसे आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ा। अब इसी मामले पर शो में मुख्य भूमिका में नजर आने वाले अभिनेता अर्जुन बिजलानी ने शो का बचाव किया है।

अर्जुन बिजलानी हाल ही में सिद्धार्थ कन्नन के साथ एक इंटरव्यू में शामिल हुए, जहां उन्होंने नागिन टीवी शो को लेकर बात की। उन्होंने शो की लोकप्रियता को लेकर कहा, 'यह सिर्फ छोटे शहरों में ही नहीं, बल्कि मुंबई में भी काफी लोकप्रिय था। जब दूसरे शोज की टीआरपी 2 थी, तब इसे 6 टीआरपी मिली। असल में, यह 5 टीआरपी पर ही खत्म हुआ। यह मेरे पिछले शो रमिले जब हम तुम से भी बड़ा था। 'नागिन' के बाद, जिंदगी की एक अलग कहानी थी। मुझे लगता है कि सीजन 1 सबसे अच्छा था।'

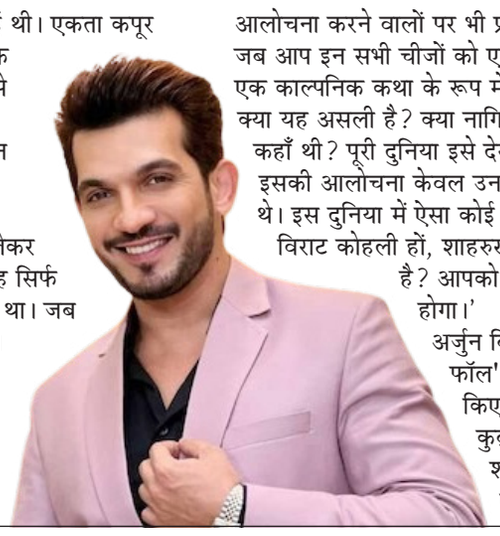

आगे बात करते हुए अर्जुन बिजलानी ने शो की आलोचना करने वालों पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'रिग्रेसिव तब होता है जब आप इन सभी चीजों को एक यथार्थवादी कहानी में दिखाते हैं। नागिन को एक काल्पनिक कथा के रूप में प्रदर्शित किया गया था। स्पाइडर-मैन क्या है? क्या यह असली है? क्या नागिन असली है? यह असली नहीं है। तो, आलोचना कहाँ थी? पूरी दुनिया इसे देख रही थी, टीआरपी ने यह साबित कर दिया। इसकी आलोचना केवल उन लोगों ने की जो बिना किसी काम के घर पर बैठे थे। इस दुनिया में ऐसा कोई नहीं है जिसकी आलोचना न की जाए, चाहे वह विराट कोहली हों, शाहरुख खान हों या सलमान खान। लेकिन किसे परवाह है? आपको अपना काम करना होगा और आगे बढ़ते रहना होगा।'

अर्जुन बिजलानी अपने नए रियलिटी गेम शो 'राइज एंड फॉल' की तैयारी कर रहे हैं। अशनीर ग्रोवर द्वारा होस्ट किए जा रहे इस शो में धनश्री वर्मा, कीकू शारदा, कुब्रा सैत और नयनदीप रक्षित सहित 12 प्रतियोगी शामिल हैं। इसका प्रीमियर 6 सितंबर को अमेजन एमएक्स प्लेयर पर होगा।

बच्चे को कितनी पॉकेट मनी देनी चाहिए?

हर माता-पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा जिम्मेदार और समझदार बने। बच्चों की परवरिश में कई छोटी-मोटी बातें बहुत ही अहम भूमिका निभाती हैं, पॉकेट मनी भी इन्हीं में से एक है। जैसे-जैसे बच्चे बड़े होते हैं, उनकी जरूरतें भी बढ़ने लगती हैं। ऐसे में अगर उन्हें अपनी छोटी जरूरतों के लिए थोड़े पैसे खुद से मैनेज करने का मौका दिया जाए, तो इससे उन्हें कई चीजें सीखने का मौका मिलता है। पॉकेट मनी बच्चों के लिए एक नया एक्सपीरियंस होता है, जिससे बच्चे सेल्फ डिपेंडेंट बनते हैं और उनका कॉन्फिडेंस लेवल भी बढ़ता है। लेकिन बच्चे को कितना पॉकेट मनी चाहिए और बच्चे इसे किस तरह से खर्च करें, इस पर पेरेंट्स को नजर जरूर रखनी चाहिए। चलिए जानते है इससे जुड़ी कुछ खास बातें।

किस उम्र में दें बच्चों को पॉकेट मनी?

बच्चों को पॉकेट मनी देने की सही उम्र 7 से 8 साल मानी जाती है। इस उम्र में बच्चे पैसों का महत्व समझने लगते हैं और ये जानने लगते हैं कि पैसे को कैसे संभालना है। साथ ही इस उम्र में बच्चे इतने बड़े हो जाते हैं कि पैसे कैरी कर सकें और उनका सही इस्तेमाल कर सकें। अगर इस उम्र से बच्चों को पॉकेट मनी दी जाए तो वे पैसे की सही कीमत और उसकी अहमियत को समझते हैं।

बच्चों को कितनी पॉकेट मनी देना सही है?

बच्चों को कितनी पॉकेट मनी देनी है इसे हमेशा बच्चे की जरूरत और परिवार की फाइनेंशियल कंडीशन देखकर ही तय करना चाहिए। बच्चों को ना तो बहुत ज्यादा पैसे दें, जिससे फिजूलखर्ची की आदत पड़ जाए। साथ ही इतने कम पैसे भी ना दें कि उसमें उनकी जरूरतें भी पूरी ना हो पाएं और बच्चे को मेंटली प्रेशर महसूस करना पड़े। बच्चे की जरूरत को ध्यान में रखते हुए ही उसे पॉकेट मनी दें। इसके अलावा बच्चों को उसकी इच्छाओं और जरूरतों में अंतर करना जरूर सिखाएं, जिससे बच्चा पैसे को कब और कहां खर्च करना है सीख सके।

बच्चे को पॉकेट मनी देना क्यों जरूरी है?

पॉकेट मनी देने का सिर्फ यह मतलब नहीं है कि आप बच्चों को फाइनेंशली डिपेंडेंट बना रहे हैं, बल्कि इसके जरिए आप उसे पैसे की कद्र करना, बचत करना और सही समय पर सही तरीके से खर्च करना भी सिखा रहे हैं। पॉकेट मनी देने से बच्चों में आत्मनिर्भरता आती है, साथ ही उनमें जिम्मेदारी की भी भावना आती है। जब बच्चे खुद अपने पैसे खर्च करते हैं और एक लिमिटेड अमाउंट में उन्हें पूरे महीने मैनेज करना होता है, तब उन्हें समझ में आता है कि पैसे को संभाल कर रखना क्यों जरूरी है।

बच्चों को सिखाएं पैसे की कीमत

पॉकेट मनी देने के साथ-साथ बच्चों को पैसे का सही उपयोग करना भी सिखाना चाहिए। उन्हें बताएं कि पैसे आसानी से नहीं आते और इसका सही उपयोग करना क्यों जरूरी है। अगर आप बच्चों को बचपन से पैसे की कीमत समझाएंगे तो बड़े हो कर भी वो सही तरीके से पैसा खर्च करेंगे। एक बात और ध्यान रखें कि बच्चे को पैसे दे कर भूल ही ना जाएं, बल्कि मोटी-मोटी निगाह उसके खर्च पर भी रखें।

अनंत चतुर्दशी पर गणेश विसर्जन के साथ गणेश उत्सव का समापन

अनंत चतुर्दशी पर गणेश विसर्जन के साथ गणेश उत्सव का समापन होता है। भक्त शुभ मुहूर्त में गणपति बप्पा की पूजा-अर्चना कर उन्हें विदा करते हैं। मान्यता है कि इससे साल भर गणेशजी का आशीर्वाद बना रहता है और सुख-समृद्धि आती है। जानें गणेश विसर्जन का शुभ मुहूर्त और विधि। गणेश चतुर्थी के पावन दिन भक्तजन घरों में पंडालों में भगवान गणपित की मूर्ति स्थापना करते हैं। इसके बाद रोजाना 10 दिनों तक विधि-विधान से गणपति महाराज की पूजा-अर्चना की जाती है। अनंत चतुर्दशी के दिन यानी श्राद्ध पक्ष की शुरुआत से एक दिन पहले गणेश जी की प्रतिमा का विसर्जन किया जाता है। हालांकि कुछ भक्तजन अपनी परंपराओं के अनुसार 1, 3, 5 या न दिनों के बाद भी भगवान गणेश की प्रतिमा का विसर्जन कर देते हैं। गणेश विसर्जन के दिन भगवान गणेश की प्रतिमा का पूरे मान-सम्मान और धूमधाम साथ विसर्जन किया जाता है। आइए जानते हैं, इस साल कब किया जाएगा भगवान गणेश का विसर्जन...

गणेश विसर्जन की तारीख- इस साल 6 सितंबर 2025 को भगवान गणेश की प्रतिमा का विसर्जन किया जाएगा।

गणेश विसर्जन की विधि- सबसे पहले भगवान गणेश की स्थापित की गई प्रतिमा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करें।

पूजा में नारियल, शमी पत्र और दूबा जरूर इस्तेमाल करें। जब आप भगवान गणेश जी की प्रतिमा को विसर्जन के लिए ले जाएं तो उससे पहले पूरे घर में या पंडाल में अक्षत बिखेरें। इस बात का ध्यान रखें गणेश जी की प्रतिमा के विसर्जन तक व्रत रखें। गणेश जी की प्रतिमा का विसर्जन नंगे पांव रहकर ही करें। गणेश जी की प्रतिमा का विसर्जन की शुद्ध तालाब या नदी में ही करें। गंदे स्थानों पर प्रतिमा का विसर्जन न करें।

गणेश विसर्जन के लिए शुभ चौघड़िया मुहूर्त

प्रातः मुहूर्त (शुभ) - 07:36 ए एम से 09:10 ए एम
अपराह्न मुहूर्त (चर, लाभ, अमृत) - 12:19 पी एम से 05:02 पी एम
सायाह्न मुहूर्त (लाभ) - 06:37 पी एम से 08:02 पी एम
रात्रि मुहूर्त (शुभ, अमृत, चर) - 09:28 पी एम से 01:45 ए एम, सितम्बर 07
उषाकाल मुहूर्त (लाभ) - 04:36 ए एम से 06:02 ए एम, सितम्बर 07

पितृ पक्ष में महिलाओं को भूलकर भी नहीं करने चाहिए ये काम, पूर्वज हो जाते हैं नाराज

शास्त्रों के अनुसार भाद्रपद महीने की पूर्णिमा तिथि के बाद पूरे 15 दिन पितृ पक्ष होता है। इन 15 दिनों में पूर्वजों यानी पितरों का श्राद्ध और तर्पण किया जाता है। 7 सितंबर को पूर्णिमा के साथ ही पितृ पक्ष शुरू हो जाएगा। आश्विन महीने के इन पंद्रह दिनों में शास्त्रों में कई सारे कामों को करना मना किया गया है। मान्यता है कि इन कामों को करने से घर के पूर्वज नाराज होते हैं। आमतौर पर घर के कामकाज की जिम्मेदारी महिलाओं पर होती है। जिसकी वजह से इन कामों को भी महिलाओं के ना करने से जोड़ा जाता है। लेकिन पितृपक्ष में महिला और पुरुष दोनों को ही इन कामों को नहीं करना चाहिए।

घर में वाद-विवाद

पितृ पक्ष के दौरान घर के पूर्वजों की शांति के लिए दान-पुण्य किया जाता है। इन 15 दिनों में वाद-विवाद से बचकर घर के पुरुष और महिला हर किसी को प्रेम, सद्भाव से रहना चाहिए।

शाम के समय ना करें साफ-सफाई

आमतौर पर शाम के वक्त साफ-सफाई करना मना है। लेकिन पितृ पक्ष के दौरान इस बात का खास ध्यान रखना चाहिए कि शाम के समय झाड़ू-पोछा जैसे सफाई के काम ना हो।

पीरियड्स में ना बनाएं खाना

मान्यता है कि पितृ पक्ष के दौरान अगर महिला को मासिक धर्म आ जाए तो उसे श्राद्ध तर्पण का खाना नहीं बनाना चाहिए। अगर घर में दूसरी महिला नहीं है तो घर के पुरुषों को ये खाना बनाकर तैयार करना चाहिए।

खाने का पहला भाग जरूर निकालें

केवल नवमी या श्राद्ध वाले दिन ही नहीं बल्कि पितृ पक्ष के पूरे 15 दिन घर में बने खाने का पहला भाग गाय, कौवा के लिए जरूर निकालना चाहिए। इससे पितर खुश होते हैं।

पति-पत्नी को ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए

इसके साथ ही पितृ पक्ष के 15 दिन मान्यता है कि पति-पत्नी को पूरी तरह से ब्रह्मचर्य व्रत का पालन करना चाहिए और फिजिकल रिलेशन से बचना चाहिए।

तामसिक भोजन से रहें दूर

लहसुन, प्याज के साथ ही मांस और शराब जैसी नशे की चीजों से भी पितृ पक्ष के 15 दिन पूरी तरह से दूर रहना चाहिए। पूर्वज इस व्यवहार से नाराज हो जाते है।

घर को रखें साफ-सुथरा

इसके साथ ही घर के हर सदस्य का काम है कि वो घर को इन 15 दिनों में बिल्कुल साफ-सुथरा रखें और शास्त्रों के अनुसार गंदा-अशुद्ध ना करें। घर की साफ-सफाई से पूर्वज भी प्रसन्न होते हैं और आशीर्वाद देते हैं।

देश में हर तीसरी मौत का कारण हृदय रोग

भारत में दिल की बीमारियों का खतरा अन्य रोगों की तुलना में सबसे अधिक देखा जा रहा है, ये हर साल होने वाली मौतों का प्रमुख कारण भी है। कुछ दशकों पहले से हृदय रोगों का उम्र बढ़ने के साथ होने वाली बीमारियों के रूप में जाना जाता था हालांकि अब कम उम्र के, यहां तक कि 20 से भी कम आयु के लोग इसका शिकार हो रहे हैं। आंकड़े बताते हैं कि हर साल लाखों भारतीय हृदय रोगों के कारण अपनी जान गंवा रहे हैं और इसमें बड़ी संख्या युवा पीढ़ी की है। 30-35 साल के युवा जो खुद को फिट और एनर्जेटिक मानते थे, अचानक हार्ट अटैक के शिकार हो रहे हैं। सोशल मीडिया पर आपको ऐसी खबरें आए दिन देखने को मिल जाएंगी।

हृदय रोग और इससे मौत के मामलों को लेकर आई एक हालिया रिपोर्ट में भी इस खतरे को लेकर अलर्ट किया गया है। रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया के तहत किए गए सैंपल रजिस्ट्रेशन सर्वे की एक रिपोर्ट में विशेषज्ञों की टीम ने बताया कि भारत में होने वाली सभी मौतों में से एक-तिहाई का कारण हृदय रोग हैं। दिल की बीमारियां देश में मृत्यु दर का प्रमुख कारण बने हुए हैं, जो लगभग 31 प्रतिशत मौतों के लिए जिम्मेदार हैं।

विशेषज्ञों ने चिंता जताई है कि जिस तरह से लोगों की दिनचर्या, खानपान में गड़बड़ी देखी जा रही है इससे आशंका है कि ये आंकड़े और भी बढ़ सकते हैं।

नॉन कम्युनिकेबल डिजीज और मृत्यु का बढ़ता खतरा

मृत्यु के कारणों पर रिपोर्टः 2021-2023 में कहा गया है कि नॉन कम्युनिकेबल डिजीज देश में मृत्यु का प्रमुख कारण हैं, जो सभी मौतों का 56.7 प्रतिशत है। इसके अलावा संचारी रोग, मातृ स्वास्थ्य, प्रसवकालीन और पोषण संबंधी स्थितियां 23.4 प्रतिशत मौतों का कारण बनती हैं। कोविड से प्रभावित साल 2020-2022 की अवधि में ये आंकड़े क्रमशः 55.7 प्रतिशत और 24.0 प्रतिशत थे। जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि कुल मिलाकर हृदय रोग मृत्यु का प्रमुख कारण बना हुआ है। इसके बाद श्वसन संक्रमण 9.3 प्रतिशत, घातक और अन्य नियोप्लाज्म 6.4 प्रतिशत तथा श्वसन रोगों के कारण 5.7 प्रतिशत मौतें होती हैं।

हेल्थ संकेतों को न करें नजरअंदाज

हम अक्सर अपनी सेहत की ओर ध्यान नहीं देते और शरीर द्वारा भेजे गए संकेतों को नजरअंदाज कर देते हैं। हमारे शरीर में छोटे-छोटे बदलाव और लक्षण बड़ी बीमारियों की चेतावनी दे सकते हैं। समय पर इन संकेतों को समझना और आवश्यक कदम उठाना हमारे स्वास्थ्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। अगर हम इन संकेतों पर ध्यान दें और सही उपाय अपनाएं, तो गंभीर समस्याओं से बचा जा सकता है और जीवन की गुणवत्ता बेहतर बनाई जा सकती है। इस आर्टिकल में हम आपको शरीर के 7 ऐसे हेल्थ संकेत बताएंगे, जिन्हें कभी भी हल्के में नहीं लेना चाहिए।

अचानक वजन बढ़ना या घटना

अगर बिना किसी खास वजह के आपका वजन तेजी से बढ़ रहा है या घट रहा है, तो यह किसी हार्मोनल इम्बैलैन्स, थायरॉयड समस्या या अन्य स्वास्थ्य समस्या का संकेत हो सकता है। ऐसे में डॉक्टर से परामर्श लेना जरूरी है।

लगातार थकान और कमजोरी महसूस होना

अगर आप पर्याप्त नींद लेने के बावजूद दिनभर थकान महसूस करते हैं, तो यह एनीमिया, डायबिटीज या विटामिन की कमी का संकेत हो सकता है। हल्की-फुल्की चेस्ट या ब्लड टेस्ट करवाना फायदेमंद रहेगा।

सांस लेने में दिक्कत या छाती में दर्द

सांस लेने में परेशानी, लगातार खांसी या छाती में दर्द दिल और फेफड़ों की समस्या की ओर इशारा कर सकते हैं। इसे नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है।

त्वचा और बालों में अचानक बदलाव

त्वचा पर दाग-धब्बे, खुजली या बालों का झड़ना कई बार पोषण की कमी या हॉर्मोनल बदलाव का संकेत होते हैं। सही समय पर डॉक्टर की सलाह से इसे रोका जा सकता है।

पाचन या पेट की समस्याएं

बार-बार पेट दर्द, कब्ज, अपच या गैस जैसी समस्याएं लंबे समय में गंभीर बीमारी का संकेत दे सकती हैं। अपने डाइट पैटर्न पर ध्यान दें और जरूरत पड़े तो डॉक्टर से जांच कराएं।

लगातार सिरदर्द या चक्कर आना

बार-बार सिरदर्द या चक्कर महसूस होना माइग्रेन, ब्लड प्रेशर या दृष्टि संबंधी समस्या की निशानी हो सकती है। इसे हल्के में न लें और समय पर इलाज कराएँ।

मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े संकेत

उदासी, लगातार तनाव, नींद न आना या अचानक मूड स्विंग, ये मानसिक स्वास्थ्य की चेतावनी हैं। मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल उतनी ही जरूरी है जितनी शारीरिक स्वास्थ्य की।

कला दर्पण फाउंडेशन ट्रस्ट
साहित्यिक, सामाजिक, सांस्कृतिक व शैक्षणिक संस्था

जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्थाओं को लिया आड़े हाथ, क्वालिटी खराब होने पर होगी सख्त कार्रवाई, अधूरे कार्य पर नोटिस जारी

संवाददाता

झांसी, उत्तर प्रदेश। जिलाधिकारी मृदुल चौधरी ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट नवीन सभागार में 50 लाख से अधिक लागत की निर्माणाधीन परियोजनाओं की समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं को चेतावनी देते हुए कहा कि अनुबंध के अनुसार कार्य समय पर पूर्ण न होने की स्थिति में शो-कॉज नोटिस जारी कर कार्रवाई की जाएगी। बैठक में यूपी प्रोजेक्ट कॉरपोरेशन लिमिटेड की कार्यप्रणाली पर नाराज़गी जताते हुए जिलाधिकारी ने विश्वविद्यालय के आवासीय परिसर में निर्माणाधीन 200 बेड महिला छात्रावास की गुणवत्ता की जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी गठित करने के निर्देश दिए। यह कमेटी प्रत्येक फ्लोर की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। जिलाधिकारी ने राजकीय इंटर कॉलेज चकारा के जीर्णोद्धार कार्य की भी जांच के आदेश दिए। वहीं, सड़क निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान उन्होंने लोक निर्माण विभाग को बीकेडी से ग्वालियर रोड तक

सड़क को जल्द सुगम आवागमन हेतु बहाल करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नगर क्षेत्र की सभी क्षतिग्रस्त सड़कों को प्राथमिकता से दुरुस्त किया जाए और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए।
सेतु निगम को कचीर–मझगवां (राठ-गरौठा) के बीच धसान नदी पर सेतु पहुँच मार्ग का कार्य तुरंत प्रारंभ करने के आदेश दिए गए। इसी तरह ग्रामीण अभियंत्रण विभाग को टोड़ी फतेहपुर–रजवाहा मार्ग एवं डिमरौनी जिला मार्ग के चौड़ीकरण कार्य की गुणवत्ता पर फोकस करने के निर्देश दिए गए। बैठक में आवास एवं विकास परिषद से अलंकार प्रोजेक्ट के तहत निर्माणाधीन हाई स्कूल भवनों की प्रगति रिपोर्ट ली गई। 28 विद्यालयों में से 14 पूर्ण कर हैंडओवर किए जा चुके हैं, शेष 11 को शीघ्र पूरा कर हस्तांतरण के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि हैंडओवर के बाद यदि कहीं निर्माण में कमी पाई जाती है तो कार्यदायी संस्था उसे प्राथमिकता से सुधारें। इसके अलावा यूपी सिडको द्वारा संचालित 14 हाई स्कूल और 3 इंटर कॉलेजों के उच्चीकरण कार्य की समीक्षा भी की गई। कई स्थलों पर जलभराव और भूमि चिह्नित न होने के कारण कार्य लंबित है। जिलाधिकारी ने सिडको अधिकारियों को समयबद्ध और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जुनैद अहमद, प्रभागीय वनाधिकारी नीरज कुमार आर्या, मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ. मयंक सिंह, जिला विकास अधिकारी सुनील कुमार, पीडी डीआरडीए राजेश कुमार, लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता नीरज गुप्ता और दीपांकर चौधरी समेत विभिन्न विभागों एवं कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारी मौजूद रहे।

बुंदेलखंड विश्वविद्यालय में शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित

देवेश प्रताप सिंह राठौर

झांसी, उत्तर प्रदेश। शिक्षक दिवस के अवसर पर बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा भव्य शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. पुनीत बिसारिया ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षक विधायक श्री बाबूलाल तिवारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ विभागाध्यक्ष प्रो. मुन्ना तिवारी ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत करते हुए किया। उन्होंने कहा कि शिक्षक ही समाज के वास्तविक निर्माता हैं। उनका कार्य केवल ज्ञान प्रदान करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को संस्कार और जीवन मूल्यों से जोड़ना भी है। मुख्य अतिथि बाबूलाल तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षक दिवस हम सबके लिए प्रेरणा का दिन है। यह दिन हमें डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के आदर्शों की याद दिलाता है। शिक्षक न केवल विद्यार्थियों का भविष्य गढ़ते हैं, बल्कि समाज की दिशा तय करने में भी अग्रणी भूमिका निभाते हैं। आज भी शिक्षा सबसे सम्मानित पेशा है। अध्यक्षता कर रहे प्रो. पुनीत बिसारिया ने कहा कि सम्मान केवल व्यक्तियों का नहीं, बल्कि उस परंपरा का है जो शिक्षा और संस्कार के माध्यम से पीढ़ियों को आगे बढ़ाती है। हमें संकल्प लेना चाहिए कि शिक्षा को और अधिक समाजोन्मुखी एवं उपयोगी बनाएं और आधुनिक तकनीक का समुचित इस्तेमाल करें। कार्यक्रम का संचालन कपिल शर्मा ने किया और आभार व्यक्त डॉ. श्रीहरि त्रिपाठी ने किया।

सम्मानित शिक्षकगण

डॉ. प्रेमलता (हिंदी), डॉ. सुनीता (हिंदी) डॉ. सुधा दिक्षित (हिंदी), डॉ. द्युति मालिनी (पुस्तकालय सहायक), डॉ. रामनरेश देहूलिया (इतिहास), डॉ. आशीष दीक्षित (इतिहास), डॉ. पूजा निरंजन (इतिहास) आशुतोष शर्मा (इतिहास), डॉ. गरिमा (भूगोल) रिचा सेंगर (राजनीति शास्त्र), कपिल शर्मा (राजनीति शास्त्र), जोगिंदर (भूगोल), डॉ. रेणु शर्मा (संस्कृत)
समारोह में बड़ी संख्या में शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

किशोरी को भगाने के बाद परिजनों ने दी जान से मारने की धमकी

पीड़िता की बहन ने कोतवाली में दी तहरीर

डॉ. अंशुमान अग्निहोत्री

उन्नाव (बांगरमऊ)। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मदार नगर निवासी एक युवक पर नगर की किशोरी को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का आरोप लगा है। पीड़िता की बहन का कहना है कि अब आरोपी के परिजन उसे और परिवार को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। नगर के एक मोहल्ले की महिला ने कोतवाली में दी गई तहरीर में बताया कि उसकी 14 वर्षीय बहन की पहचान आरोपी महेंद्र पाल पुत्र नंदीलाल पाल से सोशल मीडिया के जरिए हुई थी। बीते 22 अगस्त को जब वह अपने भाई का इलाज कराने लखनऊ गई थी, तभी महेंद्र पाल अपनी मां फूलमती, बहन शीलू और अन्य परिजनों के साथ चारपहिया वाहन से उनके घर पहुंचा और उसकी नाबालिग बहन को जबरन गाड़ी में बैठाकर ले गया।

शिकायत में कहा गया है कि आरोपी द्वारा किशोरी को ले जाते हुए मोहल्ले के कई लोगों ने देखा। लखनऊ से लौटने के बाद जब वह अपनी बहन का पता लगाने आरोपी के घर गई, तो आरोपी के परिजनों ने न सिर्फ गाली-गलौज की बल्कि उसे जान से मारने की धमकी भी दी। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक चंद्रकांत सिंह ने बताया कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर आरोपी व उसके परिजनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

नीतीश कटारा हत्याकांड के दोषी विकास ने पैरोल लेकर की शादी

संवाददाता

गाजियाबाद। बहुचर्चित नीतीश कटारा हत्याकांड के दोषी और यूपी के पूर्व मंत्री डीपी यादव के बेटे विकास यादव ने पैरोल लेकर शादी कर ली है। विकास यादव ने गाजियाबाद के राजनगर निवासी हर्षिका यादव से विवाह रचाया। गौरतलब है कि विकास यादव वर्ष 2002 में हुए चर्चित नीतीश कटारा हत्याकांड मामले में 25 साल की सजा काट रहा है। इस मामले ने देशभर में सुर्खियां बटोरी थीं। अब तक वह जेल में रहते हुए 23 साल से अधिक की सजा पूरी कर चुका है। विकास यादव की शादी की खबर सामने आते ही यह फिर चर्चा का विषय बन गया है, क्योंकि यह मामला लंबे समय तक मीडिया और अदालतों में बहस का केंद्र रहा था।

टोटी कांड अवनीश अवस्थी ने कराया, हम कभी भूल नहीं सकते: अखिलेश यादव

संवाददाता

लखनऊ। यूपी में 2017 में योगी की सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री आवास से टोटी गायब होने का मामला सुर्खियां बना और भाजपा ने टोटी चोरी का आरोप लगाते हुए इसे बहुत बड़ा मुद्दा बनाया था। एक बार फिर इस मुद्दे को भाजपा विधायक केतकी सिंह ने उभारा तो अखिलेश यादव भी भाजपा पर बरस पड़े हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि आईएएस अवनीश अवस्थी ने पूरा कांड कराया था। एक प्रतिष्ठित अखबार के स्टिंग ऑपरेशन में इसका खुलासा हो चुका है। हम पर आरोप लगे कि हम टोटी लेकर गए हैं। हमारे घर को गंगा जल से धुलवाओगे। चेतावनी भरे लहजे में कहा कि यह बात आप भूल सकते हो हम नहीं भूल सकते हैं। अखिलेश यादव शुक्रवार को लखनऊ के सपा मुख्यालय में प्रेस कांफ्रेंस कर रहे थे। इसी दौरान केतकी सिंह के बयान और उसके बाद सपा छात्र सभा का उनके घर पर प्रदर्शन के मामले में सवाल के जवाब में अखिलेश ने कहा कि आईएएस अवनीश अवस्थी और एक दूसरे ओएसडी आईएएस कौशिक, जो

भाग गया। इन लोगों ने पूरी साजिश की। यह बात हम भूलने वाले नहीं हैं। यह बात सरकार भी जान ले और सरकार चलाने वाले भी जान लें। सरकार बदलेगी तो इसका जवाब दिया जाएगा। अखिलेश ने कहा कि आज भी उनकी विधायक मेरे बारे में यह बात क्यों कह रही हैं। सब लोग समझ रहा हैं। अखिलेश यादव ने एक पेपर दिखाते हुए कहा कि उनकी गाड़ियों का ओवर स्पीड में 8 लाख का चालान कटा है। कहा कि कल ही मुझे अपने काफिले की गाड़ियों के चालान मिले। कागज को पलटकर भी नहीं देखा। सरकार ने चालान किया। उनके कैमरे में हमारी गाड़ी आई होगी। हमने कहा ठीक है। चालान मंजूर है।
8 लाख रुपए का चालान देना था, मैंने कहा दे

फौजियों और पुलिस के बीच मारपीट मामले में हुआ समझौता

संवाददाता

अलीगढ़। विगत 30 अगस्त को दो फौजियों और पुलिस के बीच मारपीट के मामले में अलीगढ़ पुलिस ने विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया है कि पुलिस कर्मियों एवं दूसरे पक्ष के फौजियों के बीच आपसी सहमति से समझौता हो गया है। पुलिस कर्मियों द्वारा भारतीय सेना के सम्मान में प्रचलित अभियोगों को समाप्त करने का निर्णय लिया गया है । अलीगढ़ के अतरौली कस्बा पुलिस चौकी में दो सैन्य कर्मी भाइयों अजीत सिंह व अनिल सिंह की 30 अगस्त को दो दरोगाओं से मारपीट और पुलिस कार्रवाई पर 31 अगस्त सुबह भीड़ भड़क गई। परिजनों की दोनों भाइयों से मुलाकात न कराने व इकतरफा कार्रवाई के मुद्दे पर भीड़ ने थाने का घेराव कर लिया था। इस बीच जबरदस्त हंगामा, नारेबाजी-नोकझोंक हुई थी। दिल्ली-मथुरा से सेना के अधिकारी भी पहुंचे थे। पहले अधिकारियों से वार्ता हुई, बाद में एसएसपी ने जब वीडियो साक्ष्य दिखाए, तब सभी शांत हुए। बाद में दोनों ओर से मुकदमा कर निष्पक्ष जांच कराने व परिवार से दोनों भाइयों की मुलाकात कराने पर हंगामा शांत हुआ था।

कृषि मंत्री ने किया औचक निरीक्षण

विभागीय अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

संवाददाता

उन्नाव, उत्तर प्रदेश। लगातार खाद की समस्या से जूझ रहे किसानों की पीड़ा आखिरकार सूबे के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही तक पहुंच गई। इसी के चलते वे 04 सितंबर 2025 को अचानक नवाबगंज विकासखंड के मखदुमपुर स्थित कृषक सेवा केंद्र पर औचक निरीक्षण करने पहुंचे। उनके दौरे से विभागीय अधिकारियों में हड़कंप मच गया। निरीक्षण के दौरान मंत्री शाही ने केंद्र पर मौजूद कर्मचारियों से खाद आपूर्ति और वितरण व्यवस्था पर सवाल किए, लेकिन उनके जवाब असंतोषजनक पाए। इस पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए निर्देश दिया कि किसानों को समय पर, उचित मूल्य पर और बिना किसी अवैध वसूली के खाद उपलब्ध कराई जाए। मंत्री ने स्पष्ट चेतावनी दी कि किसानों को परेशान करने या खाद आपूर्ति में गड़बड़ी करने वाले जिम्मेदार अधिकारियों व

कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। यदि कहीं भ्रष्टाचार या लापरवाही पाई गई तो संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय होगी। इस निरीक्षण के दौरान कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और ए.आर. को-ऑपरेटिव भी उपस्थित रहे।

ओपी राजभर के बयान पर बेटे अरविंद राजभर ने दी सफाई

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री ओपी राजभर की 'असंवेदनशील व अभद्र टिप्पणी' के विरोध में उनके आवास के बाहर प्रदर्शन करते हुए पुतला दहन किया और उनके आवास के बाहर ईंट-पत्थर फेंके हैं। मंत्री के इस बयान के बाद प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं में भारी गुस्सा भी देखने को मिला है वहीं उन्होंने राजभर के इस्तीफे की मांग कर दी है। ओपी राजभर के बयान पर मामला गरमाने के बाद अब इसी बीच उनके बेटे अरविंद राजभर ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि ओमप्रकाश राजभर के बयान में उनके द्वारा ऐसे शब्दों का प्रयोग नहीं दिख रहा है जिसमें छात्रों और बच्चों को गुंडा बताया गया हो। ओम प्रकाश राजभर के विवादित बयान पर बात करते हुए अरविंद राजभर ने कहा है कि ओपी राजभर से एक पत्रकार ने सवाल किया था कि रामस्वरूप विश्वविद्यालय में बच्चों के साथ पुलिस ने जो पुलिसिया तांडव किया, बर्बरता की, लाठीचार्ज की, उसको आप किस प्रकार से देखते हैं? इस पर ओमप्रकाश राजभर के बयान को दोहराते हुए उन्होंने कहा कि इसमें मंत्री ने कहा कि बच्चे अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ रहे हैं और बच्चों पर लाठियां भांजना किसी भी एंगल से न्यायसंगत नहीं है। वहीं उन्होंने आगे बताया कि ओपी राजभर ने कहा कि कानून का राज है और सीएम योगी की सरकार है वह हमेशा इस बात को कहते हैं कि कोई भी कानून को हाथ में लेने का काम करेगा तो पुलिस अपना कार्य करेगी तो कहीं न कहीं

ओम प्रकाश राजभर द्वारा ऐसे शब्दों का प्रयोग तो नहीं किया गया है जिसमें बच्चों को और छात्रों को गुंडा बता दिया गया हो। वहीं उन्होंने आगे कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद को मैं छात्र जीवन से जानता हूं और इनका व्यवहार कभी भी उग्र आंदोलन का नहीं रहा है। वहीं उन्होंने कहा कि ओपी राजभर द्वारा ऐसा कोई बयान नहीं दिया गया था जिसके कारण जो बड़ी हलचल पैदा हुई है। इसके साथ ही अरविंद राजभर का कहना है कि अगर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के लोग चाहें तो खुद ओम प्रकाश राजभर उनके साथ चलकर इस प्रकरण पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात करवा सकते हैं और वह इस संघर्ष की लड़ाई में उनके साथ खड़े हैं।

जल विहार उत्सव में पीएम मोदी और सीएम योगी की झांकियां रहीं आकर्षण का केंद्र

संवाददाता

रायबरेली। यूपी के रायबरेली में खीरों कस्बा का 85वां जल विहार कार्यक्रम शुक्रवार को संपन्न हुआ। इसमें रथों व लगभग 60 वाहनों पर सवार होकर लगभग 100 सजीव झांकियां निकाली गईं। इनमें भगवान कृष्ण व बलराम, कृष्ण-अर्जुन, दही मटकी, कंस, मंत्री, रावण व महामंत्री, गणेश लक्ष्मी, भगवान शंकर पार्वती, भारत माता, कृष्ण सुदामा, शिवलिंग के साथ अघोरी, कंस मंत्री का मंच, छीर सागर मंच, झूला में राधा कृष्ण, साधु व कॉमेडी, यमराज -चित्रगुप्त, गोवर्धन पर्वत, पुष्पक विमान, भगवान राम के रूप में सजी झांकियां शामिल रहीं। झांकियां रामलीला कमेटी के अध्यक्ष महेश प्रसाद शर्मा के दरवाजे से निकलकर पुरानी बाजार, पाहो तिराहा, मुख्य चौराहा होते हुए शास्त्री नगर पहुंचीं। वहां से वापस आते हुए पक्का तालाब पहुंचीं। वहां पर नाव में सवार भगवान कृष्ण द्वारा पहले कालिया नाग का मंचन किया। इसके बाद कंस वध लीला का मंचन किया गया। जल विहार में आदर्श राम लीला कमेटी खीरों के कलाकार रमेश गुप्ता, देवेंद्र कुमार सविता, बच्चन शुक्ला, मयंक द्विवेदी, रोहित चौधरी, अवध बिहारी गुप्ता, श्याम बाबू गुप्ता, नोखे गुप्ता, यीशु गुप्ता, राज किशोर सोनी, राजू सोनी, रत्नेश, अमित सोनी, बाल कलाकार, विशेष चौधरी, अवनीश, शनी, प्रशांत, अमन चौधरी, प्रिंस चौधरी, कृष्णा द्विवेदी, विधान बाजपेई, देव गुप्ता, कृष्णा गुप्ता, अथर्व गुप्ता, मोहित प्रजापति, सचिन, साहिल प्रजापति, रिया गुप्ता, अंशिका शर्मा उर्फ (बानी शर्मा), धैर्य शर्मा समेत अन्य के द्वारा सजीव झांकियों में विभिन्न भूमिका निभाई गई।

यमुना ने वृंदावन में मचाया हाहाकार, बेघर हुए हजारों लोग

संवाददाता

मथुरा। इन दिनों वृंदावन में यमुना ने लोगों की नींद उड़ा रखी है। यमुना के बढ़ते कदमों से लोग चिंतित हैं। तेज गति से पंख फैलाती यमुना नदी घाटों से निकलकर कॉलोनियों और सड़कों पर नजर आ रही है। कई घाटों को सुरक्षा की दृष्टि से बंद कर वहां पुलिस बल तैनात कर दिया गया है, ताकि कोई हादसा नहीं हो जाए। अब तक बाढ़ से प्रभावित दर्जनों कॉलोनियों से डेढ़ हजार से अधिक लोगों को नावों के जरिए सुरक्षित स्थानों तक पहुंचा दिया है। वहीं पशुओं को भी सुरक्षित आसरा दिया है।
वृंदावन में यमुना के बढ़ते जलस्तर ने घाटों, कॉलोनियों और संकरी गलियों को जलमग्न कर दिया है। निचले इलाकों में हालात बेहद चिंताजनक हैं। प्रशासन ने कई घाटों पर बैरिकेडिंग की है और पीएसी की तैनाती के साथ राहत एवं बचाव कार्य तेज कर दिया है। पहले तो केसी घाट को बंद किया गया था, लेकिन अब देवराहा बाबा घाट को भी बंद कर दिया है। जगन्नाथ घाट और कालिदह मार्ग में सड़कें यमुना के पानी से लबालब हो रही हैं। यहां भी

प्रशासन ने बैरियर लगा दिए हैं। भक्ति विहार, घनश्याम वाटिका, श्रीजी वाटिका, टटिया स्थान की गोशाला, श्याम नगर, केशव नगर, अक्रूर धाम, मोहिनी नगर आदि क्षेत्रों के हालात खराब हो रहे हैं। पिछले दो दिनों में नावों की मदद से यहां से लगभग 1500 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है। शहर के भीतर की सड़कों पर नावें चल रही हैं। यमुना के बढ़ते जलस्तर ने लोगों की नींद उड़ा दी है। कई परिवारों ने पूरी रात घर खाली करने की तैयारी में काटी। बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को प्राथमिकता देते हुए उन्हें सुरक्षित केंद्रों में पहुंचाया गया है। पीने का पानी, भोजन और चिकित्सा की व्यवस्था प्रशासन द्वारा की जा रही है। वृंदावन को जोड़ने वाले कई आंतरिक मार्ग अवरुद्ध हो चुके हैं।

गंगा और यमुना के जलस्तर में फिर शुरू हुई वृद्धि

संवाददाता

प्रयागराज। गंगा और यमुना का जलस्तर बृहस्पतिवार को पूरे दिन स्थिर रहा। हालांकि पीछे से काफी पानी आ रहा है। ऐसे में दोनों नदियों के जलस्तर में एक से डेढ़ मीटर तक बढ़ोतरी के आसार हैं। पहाड़ों पर और मध्य प्रदेश में लगातार बारिश जारी है। इससे कछारी इलाकों में बसे लोगों के साथ प्रशासन की भी चिंता बढ़ गई है। जलस्तर में वृद्धि अधिक हुई तो संगम तट पर स्थित श्री बड़े हनुमानजी पांचवीं बार स्नान कर सकते हैं।
सिंचाई विभाग की बृहस्पतिवार शाम की रिपोर्ट के अनुसार फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 81.48 मीटर रहा। यही जलस्तर सुबह आठ बजे भी था। इसी तरह से यमुना का जलस्तर शाम चार बजे 80.95 मीटर दर्ज किया गया जो सुबह आठ बजे भी यही था। हालांकि आगे आसार अच्छे नहीं हैं। हथिनी कुंड बैराज से ढाई लाख क्यूसेक लीटर से अधिक पानी आ रहा है। गंगा में भी पीछे से चार लाख क्यूसेक लीटर से अधिक पानी आ रहा है। दोनों ही नदियों में पीछे से छोड़ा गया पानी यहां पहुंचने लगा है और अब जलस्तर में वृद्धि होगी। सिंचाई विभाग के अफसरों का कहना है कि अभी जो पानी आ रहा है, उससे दोनों नदियों के जलस्तर में एक से डेढ़ मीटर वृद्धि के आसार हैं। यानी, बस्तियों में पानी घुसने के आसार नहीं हैं लेकिन पहाड़ों पर लगातार बारिश हो रही है। पहाड़ी नदियां उफान पर हैं। इसके अलावा मध्य प्रदेश में भी बारिश जारी है।

मंडराते ड्रोन देख ग्रामीणों में डर, सारी रात किया पीछा

जौनपुर। जौनपुर जिले के खेतासराय क्षेत्र के कलापुर, बिसवां, अर्जनपुर और टिकरी खुर्द गांवों में बुधवार की रात अचानक संदिग्ध ड्रोन कैमरे उड़ते देख अफरातफरी मच गई। ग्रामीणों ने लगभग पांच की संख्या में मंडराते ड्रोन देखे तो घरों से बाहर निकल आए और लाठी-डंडा लेकर उनका पीछा करने लगे। ग्रामीणों के मुताबिक, रात करीब आठ बजे सबसे पहले कलापुर गांव के ऊपर ड्रोन मंडराते दिखे। इसके बाद यही ड्रोन आसपास के गांवों में भी दिखाई दिए। अंधेरे में उड़ते ड्रोन से दहशत फैल गई और लोग टोली बनाकर बाइक व पैदल देर रात तीन बजे तक गांव की गलियों और खेतों में उनकी तलाश करते रहे। कलापुर निवासी गिरीश राजभर का कहना है कि रात में ड्रोन का उड़ना सच है, अगर यह सर्वे है तो दिन में होना चाहिए या पहले से सूचना दी जानी चाहिए।

धर्मांतरण कराने वाले गिरोह का दूसरा मदरसा भी अवैध

सदस्यों की तलाश में जुटी पुलिस

संवाददाता

बरेली। बरेली में धर्म परिवर्तन गिरोह का दूसरा मदरसा भी जांच में अवैध निकला। पहले भुता के मदरसे का रिकॉर्ड नहीं मिला था, अब करेली के मदरसे का भी ऐसा ही हाल सामने आया है। पुलिस दोनों मदरसों की कमेटियों में शामिल सदस्यों की तलाश कर रही है। दस दिन पहले धर्मांतरण मामले में एसपी दक्षिणी अंशिका वर्मा ने खुलासा कर चार आरोपियों को कोर्ट में पेश किया था। वहां से उन्हें जेल भेज दिया गया था। अलीगढ़ निवासी अखिलेश कुमारी ने इस मामले में भुता थाने में रिपोर्ट कराई थी। वहां के फैजनगर गांव के मदरसे से जुड़े मामले में उनके जन्मांध बेटे जीआईसी प्रवक्ता प्रभात उपाध्याय को दूसरी शादी का झांसा देकर धर्म परिवर्तन कराया जा रहा था। मदरसा संचालक ग्राम फैजनगर निवासी

मुख्य आरोपी अब्दुल मजीद, सुभाषनगर के करेली निवासी सलमान, मोहम्मद आरिफ और सैदपुर चुन्नीलाल भोजीपुरा निवासी मोहम्मद फईम जेल भेजे गए थे। कुछ दिन पहले फैजनगर स्थित मजीद का मदरसा अल्पसंख्यक विभाग की जांच में अवैध पाया गया था। अब करेली के मदरसे का भी रिकॉर्ड नहीं मिला है। यह मदरसा आरिफ चलाता था। उसका सहयोगी करेली निवासी ब्रजपाल था, जो धर्म परिवर्तन कर चुका था। धर्मांतरण मामले के पांचवें आरोपी रहपुरा चौधरी गांव निवासी महमूद बेग को पुलिस अब तक गिरफ्तार नहीं कर सकी है। पुलिस उसे वांछित बता रही है, वहीं उसकी पत्नी ने उसे पुलिस की हिरासत में होने का आरोप लगाकर हाईकोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दाखिल की है। आरोप लगाया कि 20 अगस्त को सादा कपड़ों में आई पुलिस उनके पति को ले गई थी। उन्हें डर है कि पुलिस उनका एनकाउंटर न कर दे। हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति जफीर अहमद व सलिल कुमार राय ने पुलिस अफसरों से इस संबंध में जानकारी मांगी है। एसएसपी को निर्देश आठ सितंबर को व्यक्तिगत रूप से हाईकोर्ट में उपस्थित होने और आरोपी को भी तलाश करके पेश करने का आदेश दिया है। एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि सीओ तृतीय पंकज श्रीवास्तव के नेतृत्व में गठित टीम महमूद बेग की तलाश में जुटी हुई है।

मालिक, प्रकाशक व मुद्रक सुनील कुमार तिवारी द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट नं. ०४, ग्राउंड फ्लोर. एन.के.इंडस्ट्रीयल इस्टेट, ऑफ आरे रोड, नियर प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, गेट नं ०२, गोरेगांव (पूर्व) मुंबई-४०००६३ से मुद्रित व ६१७, बिल्डिंग नं.१४ नियर शिव शक्ति बिल्डिंग, गोलीबार रोड, सान्ताक्रुज़ (पूर्व) मुंबई-४०००५५ से प्रकाशित। संपादक : सुनील कुमार तिवारी, RNI. NO. MAHMUL/2017/74054, Mob.8898271111 • संपादकीय कार्यालय- कंटेश्वर सिंह चाल, अपोजीट एकताड़ मंडल, साई बाबा रोड, खार (पूर्व), मुंबई- 400051।